हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 03 अंक–309 : जौनपुर, बुधवार 23 मार्च 2022 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

विश्वविद्यालय की परिसर परीक्षाएं शुरू:चला सघन तलाशी अभियान : परिसर में 1500 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की परिसर परीक्षाएं केंद्र संख्या एक व दो पर शुरू हो गई। केंद्राध्यक्ष डॉ. रसिकेश और डॉ संजीव गंगवार ने बताया की परिसर के समस्त पाठ्यक्रमों के विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। कुल 1500 विद्यार्थियों ने दो पाली में परीक्षा दी। कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य के प्रेरक उद्बोधन से अभिप्रेरित विद्यार्थियों ने उत्साह से लबरेज होकर परीक्षा दी। सभी विद्यार्थियों ने कुलपति के विचारों को आत्मसात किया और परीक्षा में सुचितापूर्वक सम्मिलित हुए। केंद्राध्यक्ष डॉ. रसिकेश और सहायक केंद्राध्यक्ष श्री सुशील कुमार , विनय वर्मा , प्रमेन्द्र विक्रम सिंह, अशोक यादव, ज्ञानेंद्र पाल और प्रभाकर सिंह आदि ने सचल दस्ते के प्रभारी डॉ अवध बिहारी सिंह , डॉ आशुतोष कुमार सिंह , प्रो अजय द्विवेदी, प्रो मानस पांडेय, प्रो. देवराज, डॉ सुनील कुमार के साथ सघन तलाशी अभियान चलाया । परीक्षा नियंत्रक वी एन सिंह के आदेशों के अनुपालन में जो छात्र बिना एडमिट कार्ड के उपस्थित हुए उनसे उनके विभागाध्यक्षों द्वारा अग्रसारित आवेदन लेने के पश्चात ही उन्हें परीक्षा देने की

सशर्त अनुमति प्रदान की गई ।परिसर में संचालित रज्जू भैया संस्थान, प्रबंध अध्ययन संकाय , विज्ञान संकाय, इंजीनियरिंग संकाय,मास कम्युनिकेशन , एप्लाइड साइकोलॉजी आदि के विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। परिसर की प्रथम दिन की परीक्षाएं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। परीक्षा में अनुपम कुमार , मनोज त्रिपाठी , श्रुति श्रीवास्तव , प्रियम सेठ , अलका सिंह , शैलेश यादव व शिवम ने सहयोग किया।

पाली क्षेत्र में ऑपरेशन शिकंजा के तहत तीन अभियुक्त गिरफ्तार

हरदोई पत्रकार जनार्दन श्रीवास्तव : एसपी राजेश द्विवेदी के निर्देश पर आपराधिक तत्वों के खिलाफ पाली थाना पुलिस लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई कर रही है। पाली पुलिस ने ऑपरेशन शिकंजा के तहत तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ अभियोग दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई। आपको बता दें कि पाली थाना पुलिस लॉ एंड आर्डर को दुरुस्त बनाए रखने के लिए हर संभव कवायद में जुटी हुई है । एसपी राजेश द्विवेदी के निर्देश पर पाली थाना पुलिस ऑपरेशन शिकंजा के तहत अभियान चलाकर आपराधिक तत्वों पर कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में पाली पुलिस ने अलग अलग जगहों से तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। जिनके खिलाफ मारपीट का आरोप है। पुलिस ने गिरफ्तार सभी अभियुक्तों के खिलाफ अभियोग दर्ज करते हुए अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है । थानाध्यक्ष संदीप कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस लगातार अभियान चलाकर आपराधिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करती रहेगी।

गोद लेने वाली संस्थाएं अपने स्रोतों से छह माह या उपचार अवधि तक पौष्टिक आहार बांटेगी

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विश्व क्षय उपचाराधीनों को गोद लेने के सम्बन्ध में जनपद के लोकोपकारी, सामाजिक, शैक्षणिक संस्थाएं व गण्यमान्य नागरिक तथा एनजीओ के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक किये। विश्व क्षयरोग दिवस पर 24 मार्च से जनपद में उपचाराधीन क्षयरोगियों को कुल चार श्रेणियों में व्यवस्थित कर उन्हें गोद लेने के लिए एक माह का विशेष अभियान चलेगा। गोद लेने वाली लोकोपकारी, सामाजिक, शैक्षणिक संस्थाएं व गण्यमान्य नागरिक इस एक माह के विशेष अभियान के दौरान 2,357 उपचाराधीन क्षयरोगियों के साथ ही खोजे जाने वाले नए क्षयरोगियों को भी 24 मार्च से गोद लेने की प्रक्रिया शुरू कर देंगे। जिला क्षयरोग अधिकारी (डीटीओ) डॉ राकेश कुमार सिंह ने बताया कि जनपद में इस समय 18 वर्ष तक के 309 बाल, 18 वर्ष के ऊपर के 1,188 वयस्क पुरुष, 18 वर्ष से ऊपर की 726 महिला क्षयरोगी तथा मल्टी ड्रग रजिस्टेंट के (एमडीआर) के 134 क्षयरोगी वर्तमान में उपचाराधीन हैं। इन्हें गोद लिया जाना है। इस संबंध में प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव ने 12 मार्च को प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों, सभी मुख्य चिकित्साधिकारियों (सीएमओ) एवं सभी जिला क्षयरोग अधिकारी (डीटीओ) के साथ वीडियोकांफ्रेंसिंग कर उन्हें निर्देशित किया था। उन्होंने बताया था कि गोद लेने वाली संस्थाएं क्षयरोगियों को अपने स्रोतों से न्यूनतम छह माह अथवा उपचार कि अवधि तक पौष्टिक आहार बांटेगी। यह पौष्टिक आहार प्रत्येक माह किट के माध्यम से क्षयरोगियों को दिया जाएगा। प्रत्येक किट में मूंगफली (एक किलो), भुना चना (एक किलो), गुड़ (एक किलो), सत्तू (एक किलो), तिल या गजक (एक किलो) तथा अन्य न्यूट्रीशनल सप्लीमेंट जैसे हार्लिक्स, कम्प्लान, बोर्नबीटा आदि एक किलो दिए जाएंगे। संस्थाएं सम्बंधित क्षयरोगियों को भावनात्मक सहयोग भी देंगी। उन्हें डाट्स के माध्यम से दी जा रहीं दवाएं बिना नागा किए सम्पूर्ण उपचार अवधि तक खाने के लिए प्रेरित करने की जिम्मेदारी भी निभानी होगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह ने बताया कि अभियान के साथ–साथ क्षयरोग को 2025 तक पूरे देश से उन्मूलित करने का लक्ष्य है। इसके लिए जनपद की सम्पूर्ण जनसंख्या के मध्य व्यापक टीबी रोगी खोज के लिए 24 मार्च से घर–घर अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान आयुष्मान भारत हेल्थ वेलनेस सेंटर के माध्यम से चलेगा जिसके तहत आशा कार्यकर्ताओं की टीम बनाकर जनपद में 158 हेल्थ वेलनेस सेंटरों के माध्यम से व्यापक क्षय रोगी खोज अभियान घर–घर चलाया जाएगा। खोजे गए क्षय रोगियों को हेल्थ वेलनेस सेंटर पर नियुक्त कम्युनिटी हेल्थ आफिसर (सीएचओ) के सम्पूर्ण पर्यवेक्षण में उपचार, फालोअप, जांच, डीबीटी एवं अन्य पब्लिक हेल्थ एक्शन सुनिश्चित किया जाएगा। 24 मार्च से क्षयरोगियों को गोद लेने तथा नए क्षय रोगियों की खोज के लिए विभाग में युद्ध स्तर पर तैयारियां चल रहीं हैं। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में विश्व क्षयरोग दिवस के दिन अभी तक के समस्त क्षय उपचाराधीनों (2,357) को गोद लेने की व्यवस्था की जा रही है साथ ही अभियान के दौरान खोजे जाने वाले नए क्षयरोगियों के भी गोद लेने की व्यवस्था की जाएगी। 21 दिन के विशेष खोज रोग अभियान में जनपद की कुल जनसंख्या के सापेक्ष कुल 6,723 सम्भावित मरीजों का बलगम परीक्षण करने का लक्ष्य रखा गया है। पंजीकरण की स्थिति और डीबीटी के आंकड़े क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के जिला समन्वयक (डीपीसी) सलिल यादव ने बताया कि वर्ष 2020 में 6,239 क्षय रोगियों का पंजीकरण हुआ है, जिसमें से 4,267 सरकारी अस्पतालों से तथा 1,972 निजी अस्पतालों से हुआ है। 2021 में 6,569 क्षय रोगियों का पंजीकरण हुआ जिसमें से 4,644 सरकारी अस्पतालों से तथा 1,925 निजी अस्पतालों के मरीज थे। 14 वर्ष तक के बच्चों का वर्ष 2019 में 346, वर्ष 2020 में 275 तथा वर्ष 2021 में 272 पंजीकरण हुआ। इस तरह से इन तीन वर्षों में 893 क्षय रोग ग्रसित बच्चों का पंजीकरण हुआ। निक्षय पोषण योजना के तहत वर्ष 2018 में 19. 60 लाख रुपए, वर्ष 2019 में 88. 77 लाख रुपए, वर्ष 2020 में 2. 10 करोड़ रुपए तथा वर्ष 2021 में 1.74 करोड़ रुपए उपचाराधीन मरीजों के खाते में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के तहत भेजे गए हैं। इस तरह से इन चार वर्षों में करीब 4.92 प्लस करोड़ रुपए डीबीटी के माध्यम से भेजे जा चुके हैं। गोद लेने वाली संस्थाएं लायन्स क्लब जौनपुर मेन, लायन्स गोमती, लायन्स सूरज, लायन्स शाहगंज स्टार, लायन्स क्षितिज, जेसीज क्लब, एस एस आर एम पैरामेडिकल तिघरा, सखी वेलफेयर, व्यापार मंडल, स्वच्छ गोमती अभियान, जेब्रा क्लब, एन एस एस समन्वयक डॉ राकेश यादव के माध्यम से महाविद्यालयों द्वारा एडाप्ट किया जा रहा है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी भू–राजस्व रजनीश राय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह, रेड क्रॉस सोसायटी सचिव डॉ मनोज वत्स, सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा, संदीप पाण्डेय, मदन गोपाल गुप्ता डा विमला सिंह, सुशील स्वामी, रानी सिंगरामऊ, प्रदीप सिंह, धीरज गुप्ता, आरिफ हबीब सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

द कश्मीर फाईल्स ने किया सच उजागर और सेकुलर गैंग में मची दहशत : मृत्युंजय दीक्षित

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : राजनीतिक विश्लेषक मृत्युंजय कुमार दीक्षित के अनुसार कोरोना महामारी का दौर हल्का हो जाने के बाद भारतीय फिल्म उद्योग जगत में भी हलचल दिखायी पड़नेलगी है। विगत दो वर्षो से कोई भी फिल्म थिएटर में रिलीज नहीं हो पा रही थी ,अब सिनेमा जगत की रौनक लौट रही है और फिल्में बड़े पर्दे पर रिलीज हो रही हैं, दर्शक भी सिनेमा घरों में वापस आ गये हैं। 11 मार्च को देशभर के कुछ ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई "द कश्मीर फाईल्स" अब बहुत बड़ी फिल्म बन चुकी है, विश्व व्यापी प्रशंसा के साथ साथ फिल्म ने कमाई का नया रिकार्ड भी बना लिया है। यह फिल्म कश्मीर में हिंदुओ पर पर हुए भीषणतम अत्याचारों की मार्मिक कहानी है। फिल्म ने एक ऐसा सच उजागर कर दिया है जिसे आज तक पूरी ताकत के साथ छुपाया जाता रहा है लेकिन कहा जाता है किसत्य को बहुत दिनों तक छुपाया नहीं जा सकता और वह एक न दिन बाहर आ ही जाता है। "द कश्मीर फाईल्स" ने वहीं काम कर दिखाया है। विवेक अग्निहोत्री की यह फिल्म देखने के लिये पूरा देश सिनेमाघरों की ओर उमड़ पड़ा है। फिल्म ने अपनी लागत से 20 गुना कमाई करने वाली फिल्म जय संतोषी मां का रिकार्ड तोड़ दिया है और लेकिन वह फिल्म भी सिर्फ नौ दिन में कमाई के 10 गुना कारोबार तक नहीं पहुंच पाई यह फिल्म अब बहुत तेजी से लोकप्रियता का शिखर छू रही है और दूसरी आने वाली फिल्मों पर भी दबाव बन गया है । "द कश्मीर फाईल्स" ने सिनेमा जगत के लिये एक लकीर खींच दी है। जो सेकुलर मीडिया जमात इन हृदयविदारक घटनाओं पर मौन हो थी अब उसी को फिल्म और कश्मीर की घटनाओं कहानी पर घंटो चर्चा करनी पड़ रही है। अब मीडिया कश्मीर में पंडितो के साथ घटी घटनाओं का सच खोज रहा हैं और उसे दिखाने का साहस भी जुटा पाया है नही तो अभी तक यही धारणा थी कि कश्मीर में कुछ हुआ ही नहीं और सभी कश्मीरी पंडित तो अपनी स्वेच्छा से पलायन कर गये। लेकिन अब सच उजागर हो चुका है। फिल्म के दृष्यों को देखकर आँखों में आंसू भी आ रहे हैं और सवाल भी कि आखिर उस समय जो अत्याचार हो रहे थे उस समय की सरकारों ने कार्यवाही क्यों नहीं की? आज "द कश्मीर फाईल्स" का विरोध वही लोग विरोध कर रहे हैं जो लोग अब तक यह छुपाते रहे हैं और अपनी राजनैतिक रोटियां सेकते रहे हैं। आज इस फिल्म को देशव्यापी भारी जनसमर्थन मिल रहा है और फिल्म के माध्यम से राष्ट्रवाद की एक नयी बयार चल पड़ी है। बहुत से लोग पूरा का पूरा सिनेमाघर ही बुक कराकर लोगों को दिखाने के लिए ले जा रहे हैं। सिनेमाघरों में शो के दौरान भारतमाता की जय, वंदेमातरम और जयश्रीराम के नारे लग रहे हैं। लोग अपने पूरे परिवार के साथ यह फिल्म देख रहे हैं और पंडितों के कश्मीर से पलायन के कारण समझ रहे हैं। युवा, महिलाएं ,बुजुर्ग समाज के हर वर्ग के लोग यह फिल्म देखने के लिए समय निकाल रहे हैं और दूसरे लोगों को प्रेरित भी कर रहे हैं। एक प्रकार से यह फिल्म जनमानस की फिल्म बन गयी है जिसे फिल्म इतिहास के पन्नों में याद रखा जायेगा। फिल्म की लोकप्रियता ने सभी रिकार्ड तोड़ दिये हैं। कई राज्यों ने जनता को सच दिखाने के लिए फिल्म को को टैक्स फ्री कर दिया है । कुछ लोग इस सच से बौखला गए हैं और विरोध के लिए हिंसा का सहारा ले रहे हैं । कई जगहों पर फिल्म देखकर लौट रहे लोगों पर जानलेवा हमले किये गये हैं। बंगाल में भाजपा सांसद जगन्नाथ सरकार पर कातिलाना हमला किया गया । कई जगहों पर मुस्लिम समुदाय के लोग फिल्म देखकर लौट रहे लोगों पर बमों से हमला कर रहे हैं । लखनऊ से लेकर बंगाल और केरल तक सेकुलर गैंग फिल्म को बिना देखे ही तिलमिला गया हैं। जब एक फिल्म देखकर यह गैंग तिलमिला गया है तो उससे यह साफ हो जाता है कि कश्मीर में पंडितो के साथ अत्याचार हुए थे जिसे इन सभी दलों और तत्वों का समर्थन व सहयोग भी हासिल था। "द कश्मीर फाइल्स" को देखे बिना ही जब शिवसेना जैसे दलों के नेता भी फिल्म के खिलाफ बयान देते हैं तो उन लोगों पर गहरा शक हो जाता है। शिवसेना जैसे दल जो कभी हिंदू हित की बातें करते थे और सदन के अंदर व बाहर धारा–370 को हटाने की मांग करते थे वही लोग आज कह रहे हैं कि इस फिल्म से नफरत की आग बढ़ रही है। यह दल अपने वोट व सरकार बचाकर रखने के लिए नीचता पर उतर आये हैं। यह सेकुलर गैंग एक के बाद एक जो बयान दे रहा है उससे यह भी साबित हो गया है कि यह गैंग हिंदू सनातन संस्कृति से कितनी नफरत करता है । एक कांग्रेसी सांसद ने कहा कि अगर "कश्मीर फाईल्स" बन सकती है तो गुजरात फाईल्स क्यो नहीं बन सकती। उप्र के समाजवादी नेता अखिलेश यादव ने कहा कि लखीमपुर फाईल्स भी बननी चाहिए। वहीं कश्मीरीपंडितों पर अत्याचार के लिए जिम्मेदार फारूख अब्दुल्ला ने कहा कि अब समय आ गया है कि देश के सभी मुसलमान एकजुट हो जायें। आज हिजाब से लेकर "द कश्मीर फाईल्स" तक और फिर गुजरात और कर्नाटक में गीता पढ़ाने को लेकर हर विषय पर अपनी विकृत मानसिकता का परिचय देकर समाज में खुद जहर घोल रहे हैं। यह वहीं लोग हैं जो एक मुस्लिम के साथ यदि कोई दुर्घटना घटित हो जाती है तो पूरे देश में बयान दे देकर आग लगा देते हैं और सेकुलर मीडिया भी खूब गर्मागर्म बहस करता है लेकिन यदि हिंदू समाज के साथ कोई अत्याचार होता है तो यह सभी दल व नेता चुप्पी साध जाते हैं। "द कश्मीर फाईल्स" में एक संवाद में ऐसे पत्रकारों को दलाल व आस्तीन का सांप तक कहा गया है जिन्होंने सच को छुपाया और गलत जानकारिया दीं। यह वही लोग है जिन्होंने जनवरी 1990 में चुप्पी साध ली थी और आज विरोध कर रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि कि इस फिल्म के कारण समाज में नफरत फैल रही है। जबकि यह फिल्म सच्चाई का एक आईना है जो अभी भी पूरा नहीं दिखाया गया है जब पूरा का पूरा सच सामने आ जायेगा तब सेकुलर गैंग का क्या होगा? आज इस फिल्म के माध्यम से देश में एक नयी जन जागृति पैदा हो रही है और देश का जनमानस कश्मीरी पंडितों के साथ अत्याचार करने वालों को फांसी की सजा देने की मांग तक कर रहा है। एक जाने माने वकील ने देश के राष्ट्रपति के समक्ष याचिका दायर कर मांग की है कि पूरे घटनाक्रम की एसआईटी गठित कर फिर से जांच कराने की मांग की है। फिल्म के निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री का कहना है कि "द कश्मीर फाईल्स" संवदेनशीलता ,मानवाधिकार और नरसंहार के खिलाफ अलग –अलग विचारधारा के लोगों को एक मंच पर लाने में सफल रही है। फिल्म का वही लोग विरोध कर रहे हैं जो केवल आधा सच ही जानते हैं। वही लोग विवाद की भी जड़ है। आज 32 सालों के बाद फिल्म के माध्यम से नरसंहार का सच सामने आया है । यह फिल्म बनने से पहले हर घटना पर पूरी तरह से शोध किया गया है। पीड़ित पक्षों से मिलकर कहानी बनायी गयी जो पूरी तरह से सत्य घटनाओं पर आधारित है। फिल्म के सभी कलाकारों ने बहुत ही जोरदार अभिनय किया है। यह फिल्म धार्मिक कटटरता और आतंकवाद की विभीषिका को निर्भीकता से प्रकट कर रही है। यह हिंदू समाज व देश को जागरूक करने का काम कर रही है बहुत दिनों बाद एक ऐसी फिल्म आयी जिसकी चर्चा हर घर में हो रही है। समय की मांग है कि अब कश्मीरी पंडितो पर अत्याचर करने वाले क्रूर आतंकवादियों को सजा दी जाये। एक रिपोर्ट के अनुसार कश्मीर पुलिस ने यासिन मलिक और बिटटा कराटे को बाद में हिरासत में लिया था लेकिन जम्मू कश्मीर के तत्कालीन नेताओं विशेषकर फारूख अब्दुल्ला की सरकार ने बहुत ही सोची समझी साजिश के तहत बिट्टाकराटे को जेल से छूट जाने दिया था। आज जो लोग कश्मीर में घटित घटनाओं के लिए तत्कालीन राज्यपाल जगमोहन व बीजेपी को दोश दे रहे हैं वह अपने पापों से मुंह मोड़ रहे हैं। लेकिन उन सभी लोगों के पाप का घड़ा अब फूट रहा है । आज नहीं तो कल सभी दोषियों को उनके पाप कर्म की सजा तो अवष्य मिलेगी। फिल्म से उपजी बहस से यह बात भी साफ हो गयी है कि घाटी के हालातों के लिए राजीव गांधी और फारूख अब्दुल्ला की मित्रता ही जिम्मेदार थी। यही कारण है कि आज कांग्रेकस गांधी परिवार को बचाने के लिए पूर्व राज्यपल जगमोहन को दोष दे रही हे जबकि सच्चाई यह है कि उन्हीं की एक पुस्तक मे सारा विवरण व तथ्य मौजूद है कि उन्होंने कई बार केंद्र सरकार से मदद मांगी थी लेकिन वोट बैंक तथा फारुक से अपनी मित्रता के कारण उन्होंने कोई मदद नहीं की थी।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

महिला मजदूर की प्रेशर रोलर के नीचे दबकर मौत

अयोध्या।(अमित कुमार मणि त्रिपाठी बीकापुर संवाददाता)अयोध्या रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग 330 ए के चौड़ीकरण कार्य में लगी 20 वर्षीय बालिका की प्रेशर रोलर के नीचे दबकर दर्दनाक मौत हो गई।इस घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंचे इनायत नगर थाने के प्रभारी निरीक्षक अमरजीत सिंह ने बालिका का शव कब्जे में लेकर पंचायत नामा कराने के उपरांत पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है।प्राप्त जानकारी के मुताबिक अयोध्या रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग का चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है। कार्यदाई संस्था पीएनसी कंपनी का प्रेशर रोलर रजिस्ट्रेशन नंबर एमएच 37 वी 3430 मंगलवार को प्रकाश के पुरवा के पास सड़क के किनारे डंपर से डाली गई मिट्टी को लेबल के उपरांत प्रेशर से दबा रहा था।उसी जगह झारखंड की कुछ महिला मजदूर डंपर से डाली गई मिट्टी में लकड़ी एवं घास फूस की छटनी कर रही थी।प्रेशर रोलर चला रहा युवक कान में मोबाइल की एयरफोन लीड लगा रखा था।अचानक बैक करते समय रोलर मिट्टी में घास व लकड़ी छटनी कर रही 20 वर्षीय एक मजदूर बालिका बिट्टी पुत्री रूपा निवासी गांव बड़ा कलदम, थाना लिट्टीपाड़ा, जिला पाकुड़ झारखंड के ऊपर चढ़ गया।इसके साथ में काम कर रहे अन्य साथी मजदूर जोर जोर से चिल्लाने लगे किंतु प्रेशर रोलर ड्राइवर जब तक कुछ समझ पाता तब तक मजदूर बालिका का आधा शरीर प्रेशर रोलर के नीचे दबकर चटनी हो गया।इस घटना के बाद रोलर ड्राइवर मौके से भाग निकला।हांलाकि कार्यदाई संस्था पीएनसी कंपनी के कई जिम्मेदार कर्मी मौके पर पहुंच गए।दूसरी ओर घटना की जानकारी मिलते ही इनायत नगर थाने के प्रभारी निरीक्षक अमरजीत सिंह भारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए।उन्होंने आनन–फानन में रोलर से कुचली बालिका को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिल्कीपुर पहुंचाया।वही अस्पताल के डॉक्टरों ने बालिका को मृत घोषित कर दिया।इस मामले में प्रभारी निरीक्षक अमरजीत सिंह ने बताया कि प्रेशर रोलर को कब्जे में ले लिया गया है, बालिका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।तहरीर मिलते ही अन्य विधिक कार्यवाही की जाएगी।

नहर के पास दिखा मगरमच्छ : ग्रामीणों में मचा हड़कंप

सुलतानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : थाना क्षेत्र बल्दीराय के अंतर्गत शारदा सहायक नहर चौराहे के पास दिखा मगरमच्छ। पिछले कई वर्षों से यहा मगरमच्छ का बना हुआ है ठिकाना। नहर के इर्द– गिर्द कभी न कभी दिखाई पड़ने से ग्रामीणों में है भय व्याप्त। वन विभाग की उदासीनता से

कभी भी हो सकती है कोई बड़ी दुर्घटना घटना। पुनः मगरमच्छ नहर के पटरी के पास बने एक गड्ढे में दिखाई दिया मगरमच्छ। जिम्मेदार वन विभाग के अधिकारी बने लापरवाह। ग्रामीणों में मचा हड़कंप। रेंजर सदर तहसील बोले, टीम भेजकर मगर को पकड़ने की चल रही कार्रवाई।

जान जोखिम में डाल स्कूल जा रहे मासूम : जिम्मेदार मौन

सुलतानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : शहर के गभडिया महुवरिया रोड पर बने बड़े गड्ढे मासूमों की सुरक्षा पर सवालिया निशान लगा रहे हैं। सेंट जेवियर,सेमफोर्ड और गभडिया से सेंट्रल स्कूल आने वाले बच्चे इन गड्ढों में हादसों का शिकार हो रहे हैं। आए दिन स्कूली वाहन अनियंत्रित होने और वाहनों के खराब होने की समस्या से अभिभावकों को जूझना पड़ रहा है। इसके अलावा दूबेपुर जिला खाद्य एवं विपणन गोदाम से राशन की धुलाई व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। उचित दर विक्रेता प्रत्येक माह राशन की निकासी लेने इसी रोड से गोदाम पर जाते हैं और इनके वाहन आए दिन खराब होते हैं और इन गड्ढों में पलट जाते हैं। शिकायत के बावजूद पीडब्ल्यूडी के जिम्मेदार अफसर मासूमों के विद्यालय जाने की सकुशल व्यवस्था के प्रति बेपरवाह बने हुए हैं। अभिभावकों में अव्यवस्था के प्रति भारी गुस्सा देखा जा रहा है। मोहल्ले वासियो व आम नागरिकों ने मिशन विजय न्यूज के माध्यम से सुल्तानपुर जिलाधिकारी व संबंधित विभाग से उपरोक्त सड़क को गड्ढा मुक्त करवाने की मॉग की है।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

जो लोग मौत से नहीं डरते, वही जीना जानते हैं।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

पाकिस्तान : एक 'हादसे' से निकले कई संदेश : सीमा से 120 किलोमीटर अंदर और बेहद सटीक

यह मिसाइल बिल्कुल सटीक मार्गदर्शन तकनीकों और व्यवस्थाओं की मदद से किसी भी निशाने को– वह कितना ही छोटा क्यों न हो– भेद सकती है। क्रूज मिसाइल– सबसॉनिक, सुपरसॉनिक और हाइपरसॉनिक– तीन प्रकार की होती हैं। सबसॉनिक यानी जिनकी गति आवाज से कम होती है। सुपरसॉनिक आवाज से तीन गुना तेज गति से चलती हैं। और तीसरी हाइपरसॉनिक, जिनकी गति आवाज से पांच गुना अधिक होती है।

नौ मार्च को शाम के सात बजे भारत से चली हुई ब्रह्मोस मिसाइल पाकिस्तान सीमा के 120 किलोमीटर अंदर मियां चन्नू नामक स्थान पर गिरी। चूंकि मिसाइल के सर पर कोई आणविक वॉरहेड या पे–लोड नहीं था, लिहाजा जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ। लगभग 24 घंटे बाद, पाकिस्तान के इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के महानिदेशक मेजर जनरल बाबर इफ्तिखार ने कहा, 'एक तेज गति से उड़ने वाली वस्तु' भारत से आई और स्थानीय समयानुसार शाम सात बजे से थोड़ा पहले पाकिस्तानी क्षेत्र में उतरी।

मिसाइल के पाकिस्तान से टकराने के दो दिन बाद भारत सरकार ने सार्वजनिक रूप से पुष्टि की कि उसकी एक मिसाइल 'नियमित रखरखाव' के दौरान गलती से लॉन्च हो गई थी और यह पाकिस्तान में चली गई थी। घटना के छह दिन बाद यानी 15 मार्च को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में 'नियमित रखरखाव और निरीक्षण के दौरान एक मिसाइल का अनजाने में छोड़ा जाना' स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि भारत को 'बाद में पता चला कि मिसाइल पाकिस्तान के क्षेत्र में गिर गई थी।' भारत ने इस घटना पर गहरा खेद व्यक्त किया।

साथ ही यह राहत भी व्यक्त की कि किसी की जान नहीं गई। उक्त घटना के अन्य कूटनीतिक आयाम चाहे जो हों, लेकिन मिसाइल टेक्नोलॉजी को जानने वाले अच्छी तरह जानते हैं कि सतह से सतह तक मार करने वाली मिसाइल दुर्घटनावश चल ही नहीं सकती। उक्त मिसाइल ध्वनि की गति से चलने वाली यानी सुपरसोनिक थी। इस बात को अच्छी तरह समझने के लिए मिसाइल प्रक्षेपण के बारे में जानना जरूरी है। किसी भी मिसाइल का परीक्षण एक गंभीर मसला है। मिसाइल का लक्ष्य निर्धारित करना होता है कि वह कहां जाकर गिरेगी।

जहां तक क्रूज मिसाइल का सवाल है, क्रूज मिसाइलों को आम तौर पर मारक क्षेत्र या रेंज के बजाय इच्छित मिशन और लॉन्च मोड में वर्गीकृत किया जाता है। इनमें मोटी–मोटी दो श्रेणियां हैं– लैंड अटैक क्रूज मिसाइल (एल.ए.सी.एम.) और एंटी शिपिंग क्रूज मिसाइल (ए.एस.सी.एम.)। इन दोनों में से किसी को भी किसी विमान, जहाज, पनडुब्बी या भूमि आधारित लांचर के माध्यम से चलाया जा सकता है। लैंड अटैक क्रूज मिसाइल एक मानव रहित, सशस्त्र वायवी उपकरण होता है, जिसे किसी चल या अचल भूमि आधारित निशाने पर हमला करने के लिए बनाया गया है।

यह मिसाइल बिल्कुल सटीक मार्गदर्शन तकनीकों और व्यवस्थाओं की मदद से किसी भी निशाने को– वह कितना ही छोटा क्यों न हो– भेद सकती है। क्रूज मिसाइल– सबसॉनिक, सुपरसॉनिक और हाइपरसॉनिक– तीन प्रकार की होती हैं। सबसॉनिक यानी जिनकी गति आवाज से कम होती हैय सुपरसॉनिक आवाज से तीन गुना तेज गति से चलती हैंय और तीसरी हाइपरसॉनिक, जिनकी गति आवाज से पांच गुना अधिक होती है। फिलहाल भारत तीसरी किस्म यानी हाइपरसॉनिक क्रूज मिसाइल विकसित कर रहा है, जिसकी मारक क्षमता 800 से 1,000 किलोमीटर तक होगी। यह 2024 तक तैयार हो जाएगी।

इन बातों के मद्देनजर उक्त मिसाइल का दुर्घटनावश चल जाना संदेहास्पद नजर आता है। इसके अलावा, पाकिस्तान अभी बालाकोट हवाई हमले को भूला नहीं है। क्या भारत ने इस 'दुर्घटना' के जरिये पाकिस्तान को कोई संदेश देने की कोशिश की है कि वक्ते जरूरत उसे घर में घुसकर भी मारा जा सकता है। बात सिर्फ मिसाइल के चल जाने की नहीं है। दरअसल पाकिस्तान को पता ही नहीं चला कि उक्त मिसाइल कब उसकी सीमा में घुस गई। पाकिस्तान के पास चीन से खरीदा हुआ हवाई प्रतिरक्षा सिस्टम एच.क्यू.9 है।

पिछले साल अच्छे–खासे पैमाने पर की गई इस खरीदी पर इस दुर्घटनावश चली मिसाइल ने पूरी तरह पानी फेर दिया है। पाकिस्तानी सेना में एच.क्यू.9 हाई–टू–मीडियम एयर डिफेंस सिस्टम के रूप में संदर्भित सतह से हवा में मार करने वाली (सर्फेस टू एयर) मिसाइल प्रणाली के तहत यह सिस्टम पिछले साल 13 अक्तूबर को कराची में संपन्न एक भव्य समारोह में शामिल किया गया था, लेकिन चीन से खरीदा गया यह सिस्टम पूरी तरह नाकामयाब साबित हुआ। इससे चीन को भी संदेश गया कि उसका उत्पाद बहुत से देशों के लिए अनुपयोगी है।

चीन द्वारा अन्य देशों को यह सिस्टम बेचने के प्रयासों को भी झटका लगना स्वाभाविक है। ब्रह्मोस भारत और रूस के एक संयुक्त उद्यम का परिणाम है, जिसके कारण रूसी पी–800 ओनिक्स एंटी–शिप क्रूज मिसाइल का संशोधन हुआ। ब्रह्मोस कार्यक्रम भारत के लिए सफल रहा है और तीनों भारतीय सैन्य सेवाओं के पास ये मिसाइलें हैं। यह दुनिया की सबसे तेज रफ्तार मिसाइलों में शामिल है। यह जमीन से कम ऊंचाई पर बहुत तेज गति से उड़ान भरती है, जिसकी वजह से इसे एंटी–मिसाइल सिस्टम से पकड़ना आसान नहीं होता है।

यही वजह है कि ये मिसाइल कम समय में लंबी दूरी तक परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। भारत ब्रह्मोस मिसाइलों के निर्यात की योजना पर काम कर रहा है और उसे हाल ही में अपना पहला विदेशी ग्राहक फिलीपींस मिला है। फिलीपींस के अलावा इंडोनेशिया, ताइवान और वियतनाम ने भी ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने में दिलचस्पी जाहिर की है। फिलीपींस, ताइवान और वियतनाम जैसे देश यदि ब्रह्मोस खरीदते हैं, तो भू–राजनीतिक दृष्टि से चीन की चिंताएं बढ़ना लाजिमी है। इस दृष्टि से भारत पाकिस्तान के मित्र चीन को भी यह संदेश दे रहा है कि समय आने पर उसकी सामरिक श्रेष्ठता पर भी प्रश्नवाचक चिह्न लग सकते हैं।

बहरहाल, भारत एक तीर से कई निशाने साध रहा है। वह अपने पड़ोसी को यह संदेश देने में सफल रहा है कि उसे अब हलके में लेना आत्मघाती साबित हो सकता है। पाकिस्तान फिलहाल एक डरा हुआ देश है। बालाकोट एयरस्ट्राइक के सदमे से वह आज तक उबर नहीं पाया है। उसे हर वक्त यह डर लगा रहता है कि भारत कहीं से भी घुसकर उस पर वार कर सकता है। वैसे भी हमेशा की तरह वहां के अंदरूनी हालात नाजुक हैं और उसे अपनी मुसीबतों से छुटकारा पाने का कोई रास्ता नहीं मिल रहा है।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

समाजवादी पार्टी के विधायक दल की बैठक टली : अब 26 मार्च को होगा नेता प्रतिपक्ष पर फैसला

गोरखपुर ब्यूरो राजनारायण ओझा : समाजवादी पार्टी की विधायक दल की 21 मार्च को होने वाली बैठक अब 26 को होगी। यह बैठक सपा मुख्यालय, 19 विक्रमादित्य मार्ग पर होगी. समाजवादी पार्टी ने विधान परिषद प्रत्याशियों के नामांकन की वजह से विधायक दल की बैठक का कार्यक्रम आगे बढ़ाया है. इस बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव मौजूद रहेंगे। अखिलेश यादव 26 मार्च को सुबह 10 बजे पार्टी कार्यालय में पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों की विधान परिषद के मौजूदा सदस्यों के साथ बैठक की अध्यक्षता करेंगे। यूपी विधानसभा चुनाव 2022 में कई दलों के साथ मिलकर चुनाव के मैदान में उतरी समाजवादी पार्टी को 111 तथा गठबंधन को 125 सीट मिली हैं। अब समाजवादी पार्टी का लक्ष्य मजबूत विपक्षी दल बनने का है. समाजवादी पार्टी इसी को लेकर अपने विधायक दल के नेता का चुनाव करने के लिए बैठक बुला रही है. जानकारी के मुताबिक इस महत्वपूर्ण बैठक में हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव में पार्टी की पराजय की समीक्षा के साथ–साथ विधान परिषद के स्थानीय प्राधिकारी क्षेत्र के आगामी चुनाव की रणनीति पर व्यापक चर्चा की जाएगी। हाल में संपन्न राज्य विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को 403 में से 111 सीटों पर जीत हासिल हुई थी जबकि उसके सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल (त्स्क) को 8 और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) को 6 सीटें प्राप्त हुई थी. दूसरी ओर, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (ठश्रच) 255 सीटें जीतकर लगातार दूसरी बार सत्ता पर काबिज हुई. उसके सहयोगी दलों निषाद पार्टी और अपना दल (सोनेलाल) को कुल 18 सीटें मिली थीं. सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव विधानसभा चुनाव में 300 से ज्यादा सीटें जीतने को लेकर आश्वस्त थे, लेकिन चुनाव के नतीजे उनकी आशा के अनुरूप नहीं रहे।

चिन्हित 4600 टीवी रोगियों को लिया जाएगा गोद –डीएम

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : पल्स पोलियो महा अभियान का शुभारंभ प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कर कमलों द्वारा जिला चिकित्सालय से बच्चों को 20 मार्च को पोलियो की दो बूंद देकर किया गया था। जिलाधिकारी विजय किरन आनंद ने बताया कि जिला चिकित्सालय आशा बहू द्वारा घर–घर दस्तक देकर पल्स पोलियो महाअभियान को सफल बनाया जा रहा है 5 साल से नीचे का बच्चा कोई छूटने नहीं पाएगा इसका पूरा ख्याल रखा जा रहा है।डीएम ने बताया कि वर्ष 2025 तक टीबी को जड़ मिटाने के लिए गोरखपुर के चिन्हित 4600 टीबी रोगियों को गोद लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है जिन्हें गोद लेकर टीवी मुक्त बनाने का कार्य किया जाएगा अधिकारियों कर्मचारियों श्रमजीवी संगठनों के द्वारा इन 4600 टीवी मरीजों को गोद लेकर आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया जायेगा ताकि टीबी की पुष्टि होने पर संबंधित का इलाज किया जा सक 24 मार्च को विश्व क्षय रोग दिवस मनाया जाएगा। इस दिन टीबी रोगियों को गोद लिया जाएगा। इनमें बच्चों की संख्या सर्वाधिक रखे जाने को कहा गया है। टीबी रोगियों को गोद लेने की तैयारी शुरू कर दी गई है। विश्व क्षय रोग दिवस पर गोरखपुर के चिन्हित 4600 टीबी रोगियों को गोद लेने के लिए अधिकारियों कर्मचारियों श्रमजीवी संगठनों को कहा गया है गोद लेने के बाद रोगियों को आहार दिया जाएगा। ताकि टीबी रोगियों पर नजर रखकर उनका इलाज किया जा सके। इसके अलावा जहां पर अधिक टीबी मरीज निकल रहे हैं, वहां पर सैंपलिग की संख्या बढ़ाने के आदेश दिए गए हैं। ताकि पहचान कर टीबी रोगियों का इलाज शुरू हो सके और अन्य लोगों को टीबी संक्रमण से बचाया जा सके।

खजनी में पोलियो उन्मूलन अभियान का शुभारंभ : पांच साल तक के बच्चों को पोलियो से बचाव हेतु खुराक पिलाने का लक्ष्य

गोरखपुर ब्यूरो राजनारायण ओझा : खजनी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर पोलियो उन्मूलन अभियान की शुरुआत की गई। आशा, एनएम अपने अपने बूथों पर पोलियो का खुराक निकालने के लिए निकल पड़ी। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में पांच साल से कम उम्र के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर 2022 के लिए राष्ट्रीय पोलियो टीकाकरण अभियान की शुरुआत की है। गोरखपुर जनपद के खजनी में रविवार को पोलियो अभियान का उद्घाटन पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रतिनिधि विजय कुमार सिंह के हाथों किया गया । उद्घाटन के दौरान खजनी प्राथमिक स्वस्थ केंद्र के सभी स्टॉफ मौजूद रहे । पोलियो अभियान की तैयारी सुबह से चल रही थी। उद्घघाटन टीम अपने अपने बूथों पर पोलियो अभियान को सफल बनाने को निकले। प्रभारी चिकित्साधिकारी प्रदीप तिवारी ने बताया कि पांच साल के बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाया जाएगा ,उत्तर प्रदेश सरकार के मंशानुरूप अभियान को जागरूक कर पोलियो अभियान को सफल बनाना है। उसी क्रम में पोलियो अभियान के उद्घाटन में आए मुख्य अतिथि विजय कुमार सिंह ने कहा कहा कि हाल के दिनों में न्यूमोकोकल कॉन्जुगेट टीका (पीसीवी), रोटावायरस टीका और मीजल्स (खसरा)–रूबेला टीका (एमआर) जैसे कई नए टीकों को सामने लाने का काम किया है। डॉ.त्रिपाठी ने आगे कहा कि जब हम अपने बच्चों को अधिक से अधिक रोगों से बचाने का प्रयास कर रहे हैं, तो ऐसे में जरूरी है कि अपने बच्चों का टीकाकरण हर हाल में कराएं। डॉ प्रदीप त्रिपाठी , आईओ अशोक कुमार सिंह, फार्मासिस्ट संतोष कुमार सिंह, एआरओ प्रशांत सिंह, स्टाफ नर्स आनंद , प्रशांत दूबे, राधे कुमार, बैजनाथ, मंजू देवी आदि थे।

आत्मविश्वास हासिल करने और अपने आत्मसम्मान को बढ़ाने के लिए 5 हैक्स

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। क्या आपने कभी केवल अटकने और अपने आत्मविश्वास को गायब होने के लिए बड़ी प्रगति की है? या शायद आपने एक बड़ी सफलता हासिल कर ली है जिसके बाद आत्मविश्वास में कमी आई है? ''प्रैक्टिशनर लाइफ कोच एंड स्टेटजिस्ट डिजिटल मार्केटर'' मनीष नागर के अनुसार, यह एक ऐसा प्रश्न है, जो हर व्यक्ति के मन में आता है। आत्मविश्वास हासिल करने का अर्थ है अपनी बाल्टी को दैनिक आधार पर ऊपर रखना। आत्मविश्वास हासिल करने और वास्तव में आपके आत्म–सम्मान को बढ़ाने के लिए यहां 6 हैक्स दिए गए हैं। 1. मेंटर बनें। एक मेंटर बनना सिर्फ बहुत वरिष्ठ और अनुभवी लोगों के लिए नहीं है, हमेशा कोई न कोई होता है जो आप मदद कर सकते हैं। किसी और की मदद करना एक बहुत ही फायदेमंद अनुभव हो सकता है।आप बहुत कुछ सीखेंगे और आपको यह भी पता चलेगा कि आप दूसरों के लिए कितना मूल्य ला सकते हैं जो बदले में आपको आत्मविश्वास हासिल करने में मदद कर सकता है। 2. तारीफ स्वीकार करें। तारीफ करने से कतराते हैं तो रुक जाइए। इसके मालिक हैं और इसके बारे में अच्छा महसूस करते हैं। अगली बार जब कोई आपकी तारीफ करे, मुस्कुराएं, धन्यवाद कहें और उस स्वीकृति के साथ अच्छी भावना का स्वामी बनें। 3. ''नकली'' इसे जब तक आप इसे नहीं बनाते। आप

कैसे दिखते हैं और व्यवहार करते हैं और आप कैसा महसूस करते हैं, यह आपस में जुड़ा हुआ है। आप जैसी पोशाक का मतलब सफलता है। यदि आप कार्यालय या मीटिंग में स्मार्ट दिखते हैं (और स्मार्ट का मतलब अलग–अलग संदर्भों में अलग–अलग चीजें हैं)। 4. क्यों पूछें। 'क्यों?' 'इसका कारण क्या है?' पूछकर अपने आत्मविश्वास की कमी के मूल कारण तक पहुँचें? अक्सर, आत्मविश्वास की कमी ज्ञान की कमी या कथित कमी से जुड़ती है, इसलिए जो आप नहीं जानते हैं उस पर ध्यान केंद्रित करना बंद करें। उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करें जो आप जानते हैं और यदि आप आत्मविश्वास हासिल करना चाहते हैं तो आप जो मूल्य लाते हैं। 5. दयालु और उदार बनें। दूसरों के प्रति दयालु और उदार होना हमें अच्छा महसूस कराता हैय और अच्छा महसूस करने से हमें आत्मविश्वास हासिल करने में मदद मिलती है। इससे जुड़ा हुआ है, उस दिन जो आपके पास है और जो अच्छा हुआ है, उसके लिए आभारी होने पर ध्यान केंद्रित करें।

कस्बे के दोनों परीक्षा केंद्रों पर तीसरी आँख की निगरानी में 1812 परीक्षार्थी देंगे बोर्ड परीक्षा

हरदोई पत्रकार जनार्दन श्रीवास्तव : यूपी बोर्ड हाईस्कूल व इण्टर की बोर्ड परीक्षा का कार्यक्रम जारी हो गया । गुरुवार को बोर्ड परीक्षा का आगाज हिंदी के प्रश्नपत्र से होगा। मंगलवार को कस्बे एवं देहात के इण्टर कालेज में छात्र/छात्रायें प्रवेश लेने के लिये पहुँची। गुरुवार से हाईस्कूल एवं इण्टर मीडिएट का पहला पेपर हिन्दी का है। जिसको लेकर परीक्षा केंद्रों पर सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। जिला प्रशासन ने नकलविहीन परीक्षा कराने के लिए सभी परीक्षा केंद्र पर सीसीटीवी कैमरे लगवाये हैं। तीसरी आँख की निगरानी में छात्र–छात्राएं बोर्ड की परीक्षा देंगे। कस्बे के सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य डॉ वेदप्रकाश द्विवेदी ने बताया कि उनके यहाँ हाईस्कूल हिंदी की परीक्षा में 552 व इंटरमीडिएट बोर्ड के हिंदी परीक्षा में 502 छात्र/छात्राएं शामिल होंगी। और उन्होंने ने बताया कि उनके परीक्षा केंद्र पर बोर्ड से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। वहीं पंत इण्टर मीडिएट कालेज में हाईस्कूल हिंदी की परीक्षा में 376 व इंटरमीडिएट बोर्ड के हिंदी परीक्षा में 382 छात्र/छात्रायें शामिल होंगी। कस्बे के दोनों परीक्षा केंद्र सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज में 1054 व पंत इंटरमीडिएट कालेज में 758 कुल 1812 परीक्षार्थी गुरुवार को हाईस्कूल व इण्टर हिंदी की परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। आपको बता दें कि केंद्र व्यवस्थापक को बोर्ड

परीक्षा आयोजन के संबंध में माध्यमिक शिक्षा परिषद से जारी गाइड लाइन नकलविहीन परीक्षा आयोजन की जिम्मेदारी दी गई है। सभी परीक्षा केंद्र पर बोर्ड की जारी गाइड लाइन का प्रत्येक केंद्र व्यवस्थापक को शत प्रतिशत पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सभी परीक्षा केंद्र पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट की निगरानी में सकुशल परीक्षा संपन्न कराने की जिम्मेदारी दी गई है। कस्बे के दोनों परीक्षा केंद्र पर प्रश्नपत्रों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस की ड्यूटी लगाई गई है।

स्वच्छ भारत बनाने में ईओ की होगी निर्णायक भूमिका– एडीएम प्रशासन

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : विधानसभा चुनाव समाप्त होते ही अधिकारीगण अपने अपने दायित्वों के निर्वहन के लिए कमरकस लिए हैं जिसमें पहले से संचालित स्वच्छ सर्वेक्षण, दुनिया का सबसे बड़ा शहरी स्वच्छता सर्वेक्षण है। यह शहरों और कस्बों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देने एवं सभी नागरिकों द्वारा स्वच्छ शहर बनाने की दिशा में योगदान देने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। स्वच्छ सर्वेक्षण का प्राथमिक लक्ष्य बड़े पैमाने पर नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करना एवं समाज के सभी वर्गों के बीच शहरों को रहने के लिए एक बेहतर स्थान बनाने की दिशा में मिलकर काम करने के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना है। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) व ग्रामीण द्वारा आयोजित, सर्वेक्षण नागरिकों, संसाधनों और अधिकारियों के प्रयासों से यह कामयाबी हासिल किया जा सकता है यह तभी संभव है जब नगर निगम व नगर पंचायत के अधिशासी अभियंता ईओ अपने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए स्वच्छ भारत बनाने में अपनी अहम योगदान देने में सहयोग करें एडीएम प्रशासन पुरुषोत्तम दास गुप्ता अपने कार्यालय में नगर पंचायत ईओ अधिशासी अभियंता के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया जिससे स्वच्छ भारत बनाने में अहम योगदान दे सकें।

सहजनवा थाना क्षेत्र में बालिका पर फेंका खौलता हुआ चाय : हालत गंभीर

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : सहजनवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत भीमापार गांव में मंगलवार की सुबह एक महिला ने 9 वर्ष की बालिका पर खौलता चाय फेंक दिया। परिजन उसको उपचार के लिए सीएचसी सहजनवा लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। पुलिस पीड़िता के पिता की तहरीर पर जांच में जुट गई है। भीमापार गांव के संजय साहनी ने पुलिस को दिए तहरीर में बताया है कि उनकी बेटी श्रद्धा सुबह तकरीबन 8 बजे खेलते हुए शिव मंदिर की तरफ चली गई। मंदिर परिसर में पहले से गांव की एक महिला और पुरुष मौजूद थे। वह लड़की को देखते ही अकारण उसके ऊपर खौलता चाय फेंक दिए, जिससे उसका ऊपरी हिस्सा झुलस गया। वह रोते हुए घर पहुंची तब घटना की जानकारी हुई। सहजनवा थाना प्रभारी अंजुल कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि मामला संज्ञान में है। जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सेना के जवान की मौत पर परिवार में मचा कोहराम

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : झंगहा थाना क्षेत्र के ऊ ग्राम पंचायत राघोपट्टी पडरी के टोला फैलहा निवासी 30 वर्षीय धनंजय यादव आर्मी में शिक्षक हवलदार के पद पर सिक्किम में तैनात थे। मंगलवार की देर शाम उनके घर पर उनकी मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक जवान के परिजनों ने विभाग के अधिकारियों पर बेटे के उत्पीड़न का आरोप लगाया है। फैलहा निवासी रामनाथ यादव के इकलौते पुत्र धनंजय यादव सेना में शिक्षक हवलदार के पद पर सिक्किम में आर्मी एजुकेशन कोर हेड क्वार्टर 112 माउटेन बिग्रेड यूनिट 4/5 जीआर एचआरडीसी चातल में तैनात थे। मंगलवार की देर शाम उनके घर पर फोन से उनके मौत की सूचना मिली। फोन करने वाले ने बताया कि तीन दिन से धनंजय यादव अपने बैरक के बिस्तर से गायब थे और उनका आईडी व मोबाइल बिस्तर पर पड़ा था। वहीं मृतक सेना जवान के साथी द्वारा घर पर सूचना दी गयी कि उसका शव कम्पनी से कुछ दूर मिला है। घर पर इकलौते बेटे की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया तथा पूरे गांव में मातम छा गया। मृतक के पिता रामनाथ यादव, माता फूलमती देवी, छोटी बहन आरती का रो–रो कर बुरा हाल है। धनंजय यादव की शादी तय थी। मई में शादी होने वाली थी। परिवार में बेटे की शादी को लेकर तैयारी हो रही थी और अचानक उसकी मौत की सूचना से परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है। धनंजय ही परिवार का सहारा थे।

जब लाशें कम पड़ जाती हैं तो गिद्ध एक दूसरे को ही नोचने लगते हैं : कद्दू कटेगा तो सब में बटेगा

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : आपको बताते चलें कि कोतवाली में स्थित पासपोर्ट वेरिफिकेशन कार्यालय है तो खंडहर परंतु इस कार्यालय से कोतवाली में तैनात कोतवाल व दीवान से लगायत कर्मचारियों के लिए बड़े पैमाने पर धन वसूली का बहुत बड़ा जरिया है सूत्रों की माने तो इस वसूली का कुछ हिस्सा पुलिस महकमे के कुछ उच्च अधिकारियों को भी जाता है और सत्ता उच्चाधिकारियों पर सालों से मेहरबान है जिले में हो रहे अपराध व भ्रष्टाचार पर बेखबर सत्ता हर थाने से वसूली में लगाए गए अपने सिपाही और जिले में बैठे सेनापति के कार्यों से खुश हैं द्य पासपोर्ट वेरिफिकेशन कार्यालय में सुविधा शुल्क के दम पर वेरिफिकेशन का कार्य खेल कोतवाल से लगायत कोतवाली मुंशी बहुत ही तरीकेवार से करते है। हिस्सा सब तक पहुंचता है इसलिए पता सबको है पर कार्यवाही किसी पर नहीं होती द्य इस पैसे की वसूली में लोगों से फार्म के नाम पर 200 वेरिफिकेशन के नाम पर प्रति व्यक्ति से 1000 –2000 तक की वसूली की जाती है परंतु इस नीचे से ऊपर तक सुविधा शुल्क के दम पर वेरिफिकेशन का कार्य सबको कबूल है द्य जबकि इसके उलट सरकार की गाइड लाइन के अनुसार पुलिस वेरिफिकेशन के लिए किसी भी प्रकार का कोई शुल्क देय नहीं होता। इन्हीं सब जद्दोजहद के बीच आज पासपोर्ट वेरिफिकेशन कार्यालय का वीडियो और सदर कोतवाल महोदय का ऑडियो एक पत्रकार महोदय के साथ बातचीत का तेजी से वायरल हो रहा है।

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में वर्चुअल एलुमनी मीट संपन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग में दिनांक 22/3/ 2022 को वर्चुअल एलुमनी मीट का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभाग के पूर्व छात्र–छात्राओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की संयोजक डॉक्टर संगीता चौहान द्वारा, कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व संरक्षक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजय सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम के संरक्षक शिक्षाशास्त्र विभाग के संकाय अध्यक्ष व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर हरिशंकर सिंह ने छात्रों को भविष्य में प्रगति के पथ पर अग्रसर होने के लिए शुभकामनाएं दी । कार्यक्रम में जुड़े हुए पूर्व छात्र छात्राओं ने अपने अनुभव साझा किए और छात्रों ने शिक्षकों के सहयोग और प्रोत्साहन की प्रशंसा की, पूर्व छात्रों ने विश्वविद्यालय स्तर और विभागीय स्तर पर अपना हर संभव योगदान देने की शपथ ली। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए डॉक्टर संगीता चौहान के दिशा निर्देश का पालन करते हुए विभाग के शोधार्थियों ने अपना अहम योगदान दिया। डॉक्टर बुद्धि सागर गुप्ता जी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस शुभ अवसर पर प्रोफेसर हरिशंकर सिंह,डॉक्टर राजसरन शाही , डॉक्टर बुद्धि सागर गुप्ता, डॉक्टर विक्टोरिया सुजेन, डॉक्टर लालिमा त्रिपाठी, डॉ राजेश एक्का, डॉ विवेक नाथ त्रिपाठी, डॉक्टर सुभाष मिश्रा,

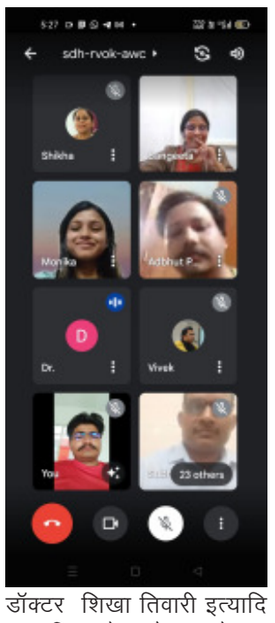

डॉक्टर शिखा तिवारी इत्यादि सम्मानित लोग मौजूद रहे।

भाजपा ने एमएलसी चुनाव को लेकर की तैयारी बैठक

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : कल नामांकन होने के पश्चात एमएलसी चुनाव की तैयारियां भाजपा जौनपुर ने तेज कर दी है। इस चुनाव में पार्टी प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित हो इसकी जिम्मेदारी सांसद, मन्त्री, विधायक जिला पंचायत सदस्य, ब्लाक प्रमुख एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को सौंपी गई है। चुनाव की रणनीति को लेकर पदाधिकारियों द्वारा लगातार बैठक की जा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को जिला के वाजिदपुर स्थित होटल में जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। चुनाव तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में राज्य मंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने मेहनत कर यूपी में भाजपा की सरकार बनवाकर इतिहास रचा है। अब जनता के प्रतिनिधियों द्वारा भी एमएलसी चुनाव के प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करवानी है। ताकि वर्ष 2024 में तीसरी बार मोदी सरकार बनाने का संकल्प मजबूत हो। विधायक शाहगंज रमेश सिंह ने कहा कि कोरोना काल में गरीबों को फ्री राशन देना, महामारी से बचाने के लिए फ्री में वैक्सीन लगवाना तथा खुद को हिंदू कहना आदि सांप्रदायिकता है तो हम सांप्रदायिक है। उन्होंने आगे कहा कि बृजेश सिंह को जिताने के लिये पार्टी संगठन जो भी निर्देश देगी उसे मैं पूर्ण रूप से पालन करूँगा और प्रत्याशी को जिताने का प्रयास करूंगा। मड़ियाहूं विधायक आर के पटेल ने कहा कि इस विधान परिषद के चुनाव में सभी उपस्थित जिम्मेदार कार्यकर्ता बढ़–चढ़कर हिस्सा ले और पार्टी द्वारा अधिकृत प्रत्यासी को विजयी बनाने का कार्य करें। उन्होने आगे कहा कि हमारी सरकार संकट के समय में मजदूरों, गरीबों तथा महिलाओं को आर्थिक मदद दी। हम वंशवाद व परिवारवाद के भरोसे नहीं बल्कि देश व प्रदेश में डबल इंजन सरकार द्वारा किए गए विकास के नाम पर वोट मांग रहे हैं। बैठक में एमएलसी प्रत्याशी बृजेश सिंह प्रिंशु ने खुद को प्रत्याशी बनाए जाने के लिए भाजपा संगठन के साथ पीएम मोदी और योगी को धन्यवाद करते हुए कहा कि कांग्रेस ने देश को 70 साल तक तो सपा–बसपा ने प्रदेश को 30 साल तक लूटा। हम वंशवाद नहीं बल्कि विकासवाद के नाम पर वोट मांग रहे हैं। कार्यक्रम में आये हुये कार्यकर्ताओ का आभार जिलाध्यक्ष मछलीशहर रामविलास पाल ने की। बैठक का संचालन जिला महामंत्री सुशील मिश्रा ने की। उक्त अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव, सुशील उपाध्याय, पूर्व विधायक सुरेन्द्र सिंह, बांकेलाल सोनकर, हरेन्द्र सिंह, जिला उपाध्यक्ष गण सुधाकर उपाध्याय, सुरेंद्र सिंघानिया, संतोष सिंह, संदीप सरोज, बृज नारायण दुबे, बृजेश सिंह, श्रीप्रकाश पांडे, राकेश शुक्ला, रमेश यादव, जिला महामंत्री गण पीयूष गुप्ता, अमित श्रीवास्तव, सुनील तिवारी, मनोज दुबे, जिला मंत्री गण राजू दादा, उमाशंकर सिंह, अवधेश यादव, राज पटेल, विजय लक्ष्मी साहू, जयेश सिंह, सुरेश गुप्ता, राजेश सोनकर, महेन्द्र प्रजापति, जिला कोषाध्यक्ष संतोष मिश्रा ब्लाक प्रमुख गण एव जिला पंचायत सदस्य गण, आमोद सिंह, रोहन सिंह, विपिन द्विवेदी, विनीत शुक्ला, नरेन्द्र उपाध्याय, अनिल गुप्ता, प्रमोद प्रजापति आदि उपस्थित रहे।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के छात्रावासों के बदले वार्डेन

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित छात्रावासों के वार्डेन में बदलाव किया गया है। कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य के आदेश के अनुपालन में कुलसचिव कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार पुरुष छात्रावासों में डॉ. नितेश जायसवाल को विश्वकर्मा छात्रावास, डॉ प्रवीण कुमार सिंह को चरक छात्रावास, डॉ धर्मेंद्र कुमार को सीवी रमन छात्रावास तथा डॉ सुशील कुमार को श्रीनिवास रामानुजन छात्रावास का वार्डेन नामित किया गया है । महिला छात्रावासों में श्रीमती पूजा सक्सेना को द्रौपदी छात्रावास, श्रीमती झांसी मिश्रा को मीराबाई छात्रावास, सुश्री जया शुक्ला को लक्ष्मीबाई छात्रावास का वार्डेन नामित किया गया है। श्री सत्यम कुमार उपाध्याय को ट्रांजिट छात्रावास का वार्डेन जबकि डॉ विनय वर्मा को विश्वकर्मा छात्रावास का सहायक वार्डेन नामित किया गया है।

साड़ी के फंदे से झूल कर विवाहिता ने मौत को लगाया गले

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : थाना क्षेत्र के शेरवा गांव में मंगलवार को एक विवाहिता ने अपने कमरे में साड़ी के फंदे से झूल कर जान इह लीला समाप्त कर ली।घटना की सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँच कर शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई में जुटी।डॉग स्क्वाड व फोरेंसिंक टीम ने भी घटना स्थल साथ जाँच पड़ताल की। मिली जानकारी के अनुसार उक्त गाँव निवासी संजय सिंह की पत्नी रूपा सिंह (30) मंगलवार को अपने कमरे के गार्डर में लगे पंखे के हुक में साड़ी का फंदा बना कर जान दे दिया। उस दिन रोज की तरह उसके पति लगभग 9 .30 बजे एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने गए थे । बड़ा बेटा कार्तिक(9) भी स्कूल चला गया। जुड़वा सन्तान वीरू व परी(6) घर से बाहर खेलने चले गए। घर मे संजय की पत्नी रूपा अकेली थी।लगभग 11 बजे संजय के भतीजे रवि सिंह व उनके एक रिश्तेदार कहीं से घर लौटे तो पाया कि मकान का बाहरी दरवाजा अंदर से बंद है। उन लोगों ने आवाज लगाई ,दरवाजा खटखटाया लेकिन कोई उत्तर नहीं मिला तो किसी अनहोनी की आशंका वश वे लोग घर की ऊंची चहार दीवारी पर बाहर से सीधी लगाकर आँगन में पहुँचे। वहां से रूपा के कमरे में देखा तो उसका शरीर फंदे से झूल रहा था। सूचना पर पति संजय सिंह भी रोते विलखते घर पहुंचे।आस पास के लोग व 112 नम्बर डायल पुलिस मौके पहुंच कर शव को नीचे उतरवाए। एएस ओ सन्तोष कुमार राय हमराहियों के साथ घटना स्थल पर पहुँच कर शव को कब्जे में लेते हुए आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिए। जिले के डॉग (शौर्या) स्क्वाड व फोरेंसिक टीम ने भी घटना स्थल पर पहुँच कर जांच पड़ताल किया।

मूक बधिर युवती का अपहरणकर्ता गिरफ्तार : युवती बरामद

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : क्षेत्र के एक गांव निवासी मूक बधिर युवती का अपहरणकर्ता को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर चालान करने के साथ ही युवती को बरामदकर उसके परिजनों को सौप दिया। क्षेत्र के एक गांव निवासी मूक बधिर युवती का घर से बाजार जाने के दौरान एक सप्ताह पूर्व गाँव के ही परिचित युवक अपहरण कर फरार हो गया था।युवती के परिजनों की तहरीर पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपी आशीष राजभर पुत्र संकठा निवासी बोड़सर खुर्द की तलाश कर रही थीं।इसी दौरान गश्त पर निकले थानाध्यक्ष चंदवक राजाराम द्विवेदी व एस आई विभूति नारायण राय को बतौर मुखबिर सूचना मिली कि आरोपित क्षेत्र के बुढऊ बाबा के पास भागने के फिराक में खड़ा है।तत्परता दिखाते हुए पुलिस ने उसे दबोच लिया।उनके निशानदेही पर युवती को वाराणसी से बरामद कर परिजनों को सौंपने के साथ ही आरोपित का चालान न्यायालय भेज दिया।

डीआरएम ने स्टेशन का किया निरीक्षण

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : उत्तर रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक सुरेश कुमार सपरा ने मंगलवार को शाहगंज रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। अपनी विशेष सैलून ट्रेन से शाहगंज स्टेशन पहुंचे डीआरएम ने यात्री सुविधाओं, साफ सफाई और निर्माणाधीन परियोजनाओं का जायजा लिया। इस दौरान सीनियर डीसीएम रेखा शर्मा साथ रहीं। डीआरएम सपरा अपनी सैलून से मातहत सीनियर डीसीएम रेखा शर्मा के साथ दोपहर 12 बजे स्थानीय रेलवे स्टेशन पर निरीक्षण करने पहुंचे। यहां पर उन्होंने साफ–सफाई व अन्य सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। मौके पर मौजूद मातहत कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होंने प्लेटफार्म की साफ–सफाई, रनिंग रूम, फूड स्टॉल आदि का निरीक्षण किया। पिछले निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों की प्रगति के बाबत जानकारी ली। इसके बाद उनकी सैलून फैजाबाद रेलवे स्टेशन के लिए रवाना हो गई। इस मौके पर स्टेशन अधीक्षक आरपी राम, प्रभारी निरीक्षक अनूप सिन्हा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहें।

वन विभाग ने अवैध कोयला भट्टियां कराई ध्वस्त

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : वन रेंज कछौना के अंतर्गत कोथावां, प्रतापनगर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर दर्जनों कोयला भठ्ठियां मानकों को ताक पर रखकर संचालित हैं। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर वन क्षेत्राधिकारी रामचंद्र ने अपनी टीम के साथ मंगलवार को लगभग दो दर्जन कोयला भठ्ठियां ध्वस्त करा दी। क्षेत्र में सैकड़ों कोयला भठ्ठियां मानकों को ताक पर

रखकर स्कूलों व आबादी क्षेत्र में संचालित थी जिससे निकलने वाले धुएँ से मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ता था। भठ्ठियों से सबसे ज्यादा बीमार व बुजुर्ग लोगों को परेशानी होती थी। स्थानीय नागरिकों द्वारा कई बार उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया। अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश दिया, जिससे वन क्षेत्राधिकारी रामचंद्र ने अवैध रूप से चल रही भठ्ठियों में कल्लू निवासी बेनीगंज की आठ भठ्ठियां, उमेश निवासी लालपुर बेनीगंज की आठ भठ्ठियां, दीपू सिंह निवासी झरोइया की चार भठ्ठियां व छोटक्के निवासी कोथावां की चार भठ्ठियां ध्वस्त कर दी। वन विभाग की इस कार्रवाई से कोयला माफियाओं में हड़कंप मच गया। कार्यवाही से आम आदमी को राहत मिली है। गौरतलब है कि अवैध कोयला भठ्ठियों के संचालन से फैल रहे प्रदूषण से लोग अंजाने में कई बीमारियों का शिकार हो रहे थे।

परिषदीय व बोर्ड परीक्षाओं में एक साथ शिक्षको की ड्यूटी लगने पर शिक्षक ने उठाई आवाज

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश कोषाध्यक्ष एवम् जिलाध्यक्ष हरदोई शिव शंकर पांडेय के नेतृत्व में आज एक प्रतिनिधि मंडल के द्वारा बोर्ड परीक्षा मे शिक्षकों की ड्यूटी लगाने में अनियमितताओं के संदर्भ में आज जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी वीपी सिंह से वार्ता की गई। संघ ने पत्र के माध्यम से बीएसए को अवगत कराया गया कि वर्तमान में परिषदीय विद्यालयों की वार्षिक परीक्षाएं भी चल रही है उसके बावजूद कुछ विद्यालयों के प्रधानाध्यापक/इंचार्ज प्रधानाध्यापक, सहायक अध्यापक समेत समस्त शिक्षकों की ड्यूटी बोर्ड परीक्षाओं में लगा दी गई। ऐसे में हमारे परिषदीय विद्यालय की वार्षिक परीक्षाएं संचालित करना संभव नहीं होगा। संगठन के जिला उपाध्यक्ष अक्षत पांडेय ने बताया कि बोर्ड परीक्षा में दिव्यांग शिक्षक–शिक्षिकाओं मातृत्व/ बाल्य देखभाल अवकाश पर चल रही शिक्षिका बहनों के साथ साथ चिकित्सा अवकाश पर चल रहे शिक्षकों की ड्यूटी लगा दी गई। साथ ही माधौगंज ब्लॉक के शिक्षकों की ड्यूटी उनके कार्यस्थल से 40–50 किलोमीटर की दूरी पर लगा दी गई है वहां ड्यूटी करना शिक्षकों के लिए पूर्ण रूप से

अव्य व्यावहारिक है। इस पर बीएसए द्वारा उक्त समस्या के जल्द समाधान का आश्वासन दिया गया। प्रतिनिधिमंडल में जिला उपाध्यक्ष अक्षत पांडेय, जिला कोषाध्यक्ष गजेंद्र प्रताप सिंह, अध्यक्ष टडियावाँ अनंतराम पांडेय, संगठन मंत्री शुभ्रम शुक्ला, सुरसा अध्यक्ष हिमांशु श्रीवास्तव, शाहाबाद अध्यक्ष अनुराग अवस्थी, भरावन संयोजक संजीव पांडेय, राहुल सिंह, आकाश कुमार, विवेक यादव आदि उपस्थित रहे।

नवीनीकरण की सम्पूर्ण प्रक्रिया में जनपद की कुल 523 दुकानों का व्यवस्थापन सम्पन्न : जिला आबकारी अधिकारी

जौनपुर सू.वि. : जिला आबकारी अधिकारी ने अवगत कराया है कि आबकारी नीति वर्ष 2022–23 के अन्तर्गत जनपद जौनपुर में कुल 542 आबकारी दुकानों के व्यवस्थापन की प्रक्रिया वर्तमान में संचालित है। इसके अन्तर्गत प्रथम चरण के व्यवस्थापन में वर्तमान अनुज्ञापियों को नवीनीकरण का अवसर दिया गया जिसमें देशी शराब की 274 दुकानों के सापेक्ष 265, विदेशीमदिरा की 107 दुकानों के सापेक्ष 105, बीयर की 100 दुकानों के सापेक्ष 100, माडलशाप्स की 01 दुकान के सापेक्ष 01 तथा भांग की 60 दुकान के सापेक्ष 52 दुकानें के अनुज्ञापनों का संबंधित अनुज्ञापियों द्वारा नवीनीकरण के माध्यम से व्यवस्थापन कराया गया। इस प्रकार नवीनीकरण की सम्पूर्ण प्रक्रिया में जनपद की कुल 523 दुकानों का व्यवस्थापन सम्पन्न हुआ जिसमें कुल 50.73 करोड़ का राजस्व जनपद जौनपुर के आबकारी विभाग द्वारा प्राप्त किया गया। नवीनीकरण के पश्चात अवशेष मदिरा दुकानों के ई–लाटरी के माध्यम से व्यवस्थापन के प्रथम चरण में 22 मार्च 2022 को जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में गठित चयन समिति द्वारा आन लाईन की ई–लाटरी प्रक्रिया से देशी शराब की 05, विदेशीमदिरा की 02 एवं भांग की 02 अर्थात कुल 09 दुकानों का व्यवस्थापन सम्पन्न किया गया। इस प्रकार नवीनीकरण से अवशेष बची 19 दुकानों में से 09 का व्यवस्थापन सम्पन्न हुआ जिसमें कुल 01.11 करोड राजस्व जनपद जौनपुर में प्रथम चरण की ई–लाटरी के पश्चात् अवशेष बची 10 दुकानों के व्यवस्थापन की प्रक्रिया आगामी दिनों में सम्पन्न होनी है। प्रदेश में आबकारी नीति वर्ष 2021–22 के अन्तर्गत वैयक्तिक होम लाइसेंस लेने की प्रक्रिया भी प्रचलित है। आबकारी नीति वर्ष 2021–22 के भाग–2.16 के अधीन निजि प्रयोग हेतु निर्धारित फुटकर सीमा से अधिक मदिरा के क्रय, परिवहन एवं निजि कब्जे में रखने हेतु वैयक्तिक होम लाइसेंस दिया जायेगा। इस लाइसेंस हेतु निश्चित वार्षिक लाइसेंस फीस एवं प्रतिभूति धनराशि जमा करना अनिवार्य होगा। अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु वैयक्तिक होम लाइसेंस भारत निर्मित विदेशीमदिरा और समुद्रपार आयातित मदिरा हेतु निर्धारित सीमा तक के क्रय, परिवहन एवं कब्जे में रखने हेतु अधिकृत होगा। वैयक्तिक होम लाइसेंस परिसर में परिवार के सदस्य, रिश्तेदार, अतिथि एवं मित्र जो वयस्क हो, द्वारा बिना वैयक्तिक होम लाइसेंस के धारक को किसी प्रकार का भुगतान किये लाइसेंसी की सहमति से मदिरा पान कर सकेगें। निर्धारित लाइसेंस फीस का भुगतान करने पर पात्र आवेदकों को जिला कलेक्टर द्वारा वैयक्तिक होम लाइसेंस स्वीकृत किया जायेगा जो अधिकत तीन वर्षो तक का हो सकता है। वैयक्तिक होम लाइसेंस की वार्षिक अथवा वर्ष के किसी भाग की निर्धारित लाइसेंस फीस जिला आबकारी अधिकारी के यहॉ जमा किया जायेगा। वैयक्तिक होम लाइसेंस हेतु ऐसे आवेदक पात्र होगें जो विगत पांच वर्षो से आयकर दाता हो। आवेदन पत्र के साथ विगत पांच वर्षो के आयकर रिटर्न की स्वः प्रमाणित प्रति संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा जिसमें से न्यूनतम तीन वर्षो में आवेदक द्वारा न्यूनतम 20 प्रतिशत की श्रेणी में आयकर का भुगतान किया गया होना चाहिए। यदि किसी आय के कारण 20 प्रतिशत के स्लैब में आने के वावजूद किसी आवेदक पर कर की देयता नही बनती हो तब ऐसा आवेदक भी उक्त लाइसेंस हेतु अर्ह होगा। वैयक्तिक होम लाइसेंस के आवेदन पत्र के साथ आवेदक के पैन कार्ड एवं आधार कार्ड की स्वःप्रमाणित प्रति भी आवेदन के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। आवेदक को उसके निवास जहॉ वह माता–पिता, पुत्र– पुत्रिया और पत्नी सहित निवास करता हो, मे ही वैयक्तिक होम लाइसेंस स्वीकृत किया जायेगा जिसके लिए आवेदक को मूल निवास के स्वामित्व सम्बन्धी अभिलेख अथवा किराया नामा की स्वःप्रमाणित प्रति प्रस्तुत करना होगा। इस संबंध में उक्त आश्य का नोटेराइज्ड शपथ पत्र भी आवेदक द्वारा प्रस्तुत किया जायेगा जिसमें इस बात का उल्लेख होगा कि वह किसी अनाधिकृत अथवा 21 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति को उक्त परिसर में प्रवेश से सुरक्षित रखेगा, परिसर में कोई अवैध मादक पदार्थ नही रखेगा। उत्तर प्रदेश में बिक्री हेतु अनुमन्य मदिरा के सिवाय अन्य कोई अवैध/अनाधिकृत मदिरा अथवा पदार्थ नही रखेगा। फार्म हाऊस में वैयक्तिक होम लाइसेंस स्वीकृत नही किये जायेगें। उक्त के अतिरिक्त वर्तमान में संचालित विशेष प्रवर्तन अभियान में जनपद जौनपुर में अवैध मदिरा के निर्माण/परिवहन/संचय/बिक्री अथवा वितरण से संबंधित व्यक्तियों/अडड़ों पर अंकुश लगाये जाने हेतु पुलिस, प्रशासन एवं आबकारी की गठित संयुक्त टीमों द्वारा कार्यवाही जारी है जिसमें प्रतिदिन उक्त टीमों द्वारा की गयी कार्यवाही की रिपोर्ट आबकारी मुख्यालय एंव उत्तर प्रदेश शासन को आन लाईन प्रेषित की जा रही है।

परीक्षा के समय विद्यार्थी तनावमुक्त रहें : प्रो. निर्मला एस. मौर्य

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने सेमेस्टर परीक्षा दे रहे विद्यार्थियों को मंगलवार को सफलता के टिप्स दिए। कुलपति सभागार में संबोधित करते हुए कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षाएं 23 मार्च से प्रारम्भ हो रही है। एक कुलपति और शिक्षक होने के नाते मुझे आपसे सफलता और अच्छे प्रदर्शन की अपेक्षा है। विद्यार्थियों घ्परीक्षा आपको अपनी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प दिखाने का एक अच्छा अवसर होता है परन्तु एक बात मैं स्पष्ट करना चाहूंगी कि आपकी प्रतिभा को परीक्षा द्वारा नहीं मापा जा सकता है, लेकिन आपका परिश्रम आपके द्वारा प्राप्त अंकों से परिलक्षित होता है। आपको खुद पर पूर्ण विश्वास करना चाहिए और चुनौतियों से डरने की आवश्यकता नहीं है। यह परीक्षा आपके शैक्षणिक ज्ञान के साथ–ही–साथ आपके धैर्य, एकाग्रता, समय प्रबन्धन और साहस का परीक्षण है। जीवन के प्रत्येक चरण में हम सभी को विभिन्न परीक्षाओं से होकर गुजरना होता है जो छात्र जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा होती है। आप सभी परीक्षा से पूर्व और परीक्षा हाल में अपने धैर्य और साहस को कम ना होने दें सफलता अवश्य ही आपके कदम चूमेगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी निश्चित रूप से एक अच्छे नागरिक के रूप में समाज में विश्वविद्यालय का, अपने गुरु का और अपने अभिभावकों का नाम रोशन करेंगे। मेरा मानना है कि सफलता के सूत्र हमेशा वो नहीं होते जो हमें बताए या सिखाए जाते है, सफलता के सूत्र जीवन की मेहनत ओर सफलता पर आधारित होते है। सफलता का कोई निश्चित मापदंड नहीं होता। यह हर एक के लिए अलग–अलग हो सकती है, पर फिर भी सरल और साधारण शब्दों में और आज के दौर के हिसाब से कहें तो अपने पैरों पर खड़े हो जाना ,अच्छा कॅरियर बना लेना, धन समृद्धि होना, प्रसिद्धि मिल जाना ही सफलता है। इसलिए या परीक्षा आपकी सफलता

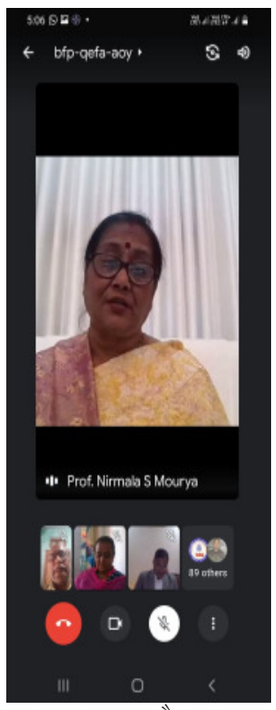

का पहला पायदान है आप इसका सफर एक निश्चित प्रबंधन की रणनीति के साथ तय करें।

एसडीएम/ज्वांइट मजिस्ट्रेट हिमांशू नागपाल की मौजूदगी में ढहाया गया अवैध निर्माण

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : बक्शा थाना क्षेत्र के खमपुर गांव में मंगलवार को प्रशासन ने अवैध कब्जा धारकों द्वारा निर्माण कर कब्जा की गई जमीन पर बुलडोजर चलवाया। बुलडोजर चलने की सूचना पर अवैध कब्जा धारकों में हड़कम्प मच गया। उक्त गांव निवासी राजदेव यादव व पड़ोसी गिरिजाशंकर यादव द्वारा जेराब तालाब की जमीन पर अवैध कब्जा करतें हुए लगातार निर्माण कार्य करवाया जा रहा था। उसी निर्माण के दौरान दोनों पक्षों में पूर्व में विवाद भी हो चुका था। एक पक्ष द्वारा उसी जमीन से रास्ता मांगना विवाद और गहरा होता गया। विवाद बढ़ा तो मामला उपजिलाधिकारी सदर ज्वांइट मजिस्ट्रेट हिमांशू नागपाल के न्यायालय पहुँच पहुँच गया। एसडीएम द्वारा संबंधित राजस्व विभाग से जांच करवाया तो पता चला कि दोनों पक्ष सरकारी भूमि पर निर्माण कार्य लगातार करते आ रहें है। लेखपाल प्रिया कटियार, धीरेन्द्र प्रताप, शैलेन्द्र श्रीवास्तव, चकबंदी लेखपाल वीरेन्द्र कुमार व मदन सिंह के अलावा थानाध्यक्ष दिव्य प्रकाश सिंह, उपनिरीक्षक मनोज सिंह सहित भारी संख्या में पहुँचे पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में पहुँची बुलडोजर ने अवैध कब्जा को ध्वस्त कर दिया। कब्जा धारकों द्वारा उक्त भूमि पर कमरा के अलावा पशुशाला व शौचालय बनवा रखें थे। ध्वस्तीकरण की कार्यवाही होते ही ग्रामीणों में हड़कम्प मच गया।

जौनपुर की बेटी विदुषी हुई सम्मानित

जौनपुर (विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी) : जिले की त्रिलोचन महादेव निवासिनी प्रतिभाशाली बाल गायिका विदुषी वर्मा को उत्तर प्रदेश स्वर्णकार संघ द्वारा मालीपुर रोड स्थित सिटी पैलेस अंबेडकर नगर में आयोजित होली मिलन व सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। विदुषी को मुख्य अतिथि शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर के नवनिर्वाचित विधायक विनय कुमार वर्मा द्वारा अंगवस्त्रम व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गयाघ। विदुषी ने इस होली मिलन समारोह में एक से बढ़कर एक भजन व होली गीत सुना कर उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर स्वर्णकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायणन सेठ, शैलेश वर्मा, आजमगढ़ मंडल के संयुक्त विकास आयुक्त पी. एन. वर्मा, राजेश वर्मा, शत्रुघ्न सेठ,भोजपुरी अभिनेता चन्दन सेठ, कथावाचक गणेश महाराज,

विपिन सोनी,विनय वर्मा, अमर जौहरी ,अजीत सेठ ,प्रदीप सोनी, समेत अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे।

विधान परिषद सदस्य हरदोई से भाजपा प्रत्याशी अशोक अग्रवाल निर्विरोध निर्वाचित

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : एमएलसी चुनाव को लेकर बड़ी खबर यह है कि सपा प्रत्याशी ने अपना नामांकन वापस ले लिया है।फलस्वरूप भाजपा प्रत्याशी अशोक अग्रवाल निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं।जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश कुमार ने बताया कि भाजपा प्रत्याशी के विरुद्ध अब कोई उम्मीदवार न होने से उनका निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया है।उन्हें विधान परिषद सदस्य निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र गुरुवार को प्रदान किया जाएगा। एमएलसी चुनाव के सपा प्रत्याशी रजीउद्दीन व भाजपा प्रत्याशी अशोक अग्रवाल ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। सपा प्रत्याशी द्वारा अपना पर्चा वापस ले लेने के बाद भाजपा के अशोक अग्रवाल निर्विरोध निर्वाचित हो गए। यहां दोनों दलों सपा भाजपा के प्रत्याशियों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। हरदोई कद्दावर नेता नरेश अग्रवाल ने एक बार फिर अपनी ताकत का एहसास कराया। श्री अग्रवाल के दबाव से ही समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी रजीउद्दीन का नामांकन पत्र आज वापस हुआ।

समाजवादी पार्टी कार्यालय पर डॉ राम मनोहर लोहिया की 113 वी जयंती जिलाअध्यक्ष लालबहादुर यादव के नेतृत्व में मनाया गया

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : समाजवादी पार्टी कार्यालय पर डॉ राम मनोहर लोहिया की 113 वी जयंती सपा जिलाअध्यक्ष लालबहादुर यादव के नेतृत्व में मनाया गया वहीं उनके जीवन पर प्रकाश कहा कि लोहिया का कहना था संसोपा ने बाँधी गाँठ, पिछड़े पावे सौ में साठ इसी नारा को बुलंद किया था जिसमें शोषित वंचित समाज के उत्थान के लिए कलम बद्ध हुए डॉ राममनोहरलोहिया का जन्म 23 मार्च 1910 को हुआ था और मृत्यु 12 अक्टूबर 1967 को हो गयी थी. डॉलोहिया अपना जन्मदिन नहीं मनाते थे क्योंकि 23 मार्च शहीदे आजमभगतसिंह का शहादत दिवस है. लोहिया आजादभारत के उन कुछ चुनिंदा राजनेताओं में शुमार किए जा सकते हैं जो मौलिकविचारक होने के साथ–साथ देश में मातृभाषा के पक्षधर थे. हालांकि वे हिंदी के अलावा अंग्रेजी और एक और दूसरी भाषा जर्मन के भी जानकार थे. सर्वविदित है कि डॉ लोहिया ने अपनी डॉक्टरेट की डिग्री जर्मनी के हम्बोल्टयूनिवर्सिटी से हासिल की थी. वहीं सपा प्रमुख महासचिव राजनरायण बिन्द कहा डॉ लोहिया भारत में गैर–कांग्रेसवाद के शिल्पी थे, और आजाद भारत में यह उन्हीं के अथक प्रयास से संभव हो सका कि कभी अपराजेय समझी जाने वाली कांग्रेस सन् 67 तक कई राज्यों में चुनाव हारी. वे देश में अंग्रेजी हटाओ आन्दोलन के प्रणेता थे और इस मुद्दे पर वे बेबाक राय

रखते थे. उनके लिए स्वभाषा राजनीति का मुद्दा नहीं बल्कि अपने स्वाभिमान का प्रश्न और लाखों–करोड़ों को हीनभावना से उबारकर आत्मविश्वास से भर देने का स्वप्न था. डॉ लोहिया न केवल एक गंभीर चिन्तक थे बल्कि सच्चे रुकर्मवीर भी थे. वे लोहिया ही थे जो राजनीति की गंदी गली में भी शुचिता व शुद्धआचरण की बात करते थे. वे एक मात्र ऐसे नेता थे जिन्होंने अपनी पार्टी की सरकार से खुलेआम त्यागपत्र की मांग की, क्योंकि उस सरकार के शासन में आंदोलनकारियों पर गोली चलाई गई थी. लोहिया मात्र 57 वर्ष ही जीवित रह सके मगर इतनी कम अवधि में भी वे एक प्रकाशपुंज की तरह भारतीयराजनीति पर अमिट छाप छोड़ गए. डॉ लोहिया अपनी लेखनी, ठेठ देसी ठसक और कर्मवीरता की वजह से सदियों याद किए जाते रहेंगे जयंती समारोह मे मुख्य रूप से पूर्व विधायक अरशद खान, पूर्व अध्यक्ष राजबहादुर यादव, अवधनाथ पाल,उपाध्यक्ष श्याम बहादुर पाल,प्रवक्ता राहुल त्रिपाठी, महेन्द्र यादव, राजेश यादव श्रवण जयसवाल, नीरज पहलवान,गुलाब यादव, रमेश साहनी, अनील यादव, रमाशंकर यादव, गजराज यादव, कमालुद्दीन अंसारी, संचालन जिलामहाचिव हिसामुद्दीन शाह ने किया।

मिशन शिक्षण संवाद के संरक्षण में निर्मित बाल फिल्म बालसेना का किया गया विमोचन व लोकार्पण

जौनपुर सू.वि. : भारत की आजादी के 75 वें वर्ष को अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। आज भारत की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले राजगुरु सुखदेव, भगत सिंह का प्राणोत्सर्ग दिवस है। कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में ग्रामीण परिवेश में रह रहे बच्चों के शैक्षिक संवर्धन हेतु स्वयं व उनके शिक्षकों व अभिभावकों के द्वारा अभिनीत लगभग डेढ़ घंटे की जिला बेसिक शिक्षा विभाग की अगुवाई तथा मिशन शिक्षण संवाद के संरक्षण में निर्मित बाल फिल्म बालसेना का विमोचन व लोकार्पण जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा व सांस्कृतिक, साहित्यिक रुचि रखने वाली अध्यक्ष आकांक्षा समिति डा0 अंकिता राज के कर कमलों से हुआ जिसमें जनपद के बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल, सभी खंड शिक्षाधिकारी, सभी शिक्षाखंडों के ए आर पी, जनपद के शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन हुआ तथा सरस्वती गीत के साथ प्राथमिक विद्यालय सुदनीपुर, मड़ियाहूं के बच्चों द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी ने अपने सम्बोधन में कहा कि फिल्में आज हमारे समाज को दशकों से प्रभावित करती आ रही हैं। फिल्म से बच्चों का बड़ा लगाव रहता है। युवाओं के बीच भी फिल्मों ने बड़ा महत्वपूर्ण स्थान बना लिया है। बेसिक शिक्षा विभाग जौनपुर की पहल पर इस तरह शिक्षकों व ग्रामीण क्षेत्र के अभिभावकों की रुचि देखकर बहुत अच्छा लगा। हमारे सहयोग की जो भी अपेक्षा होगी हम सदैव खड़े मिलेंगे। उद्बोधन के तत्पश्चात फिल्म से संबंधी पोस्टर्स व सी डी का विमोचन किया गया। फिल्म के निर्देशक व चिंतक शिवम सिंह द्वारा मुख्य अतिथि महोदय को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। एल ई डी स्क्रीन पर बहुप्रतीक्षित फिल्म का प्रदर्शन का शुभारंभ हुआ। सामाजिक कटुता समाप्त करने, भ्रष्टाचार मुक्त समाज, परिवार निर्माण को लेकर निर्मित फिल्म ने छत्रपति शिवाजी की तरह छोटी सेना के साथ बड़ी सेना का मुकाबला करने का साहस भर, बच्चों को हो रहे अत्याचार के खिलाफ खड़ा कर दिया। परिवार में हो रहे प्रतिदिन के वाद विवाद, शराबखोरी, शोषण को समाप्त कर प्रगति पथ पर लाने की दिशा में एकता के साथ कदम परिवर्तन ला दिया। यदि संघर्ष ईमानदारी के साथ होगा तभी सफलता मिल सकती है। सहायक शिक्षा निदेशक अब्दुल मुबीन जी ने उद्बोधन में कहा यह शिक्षकों व बच्चों का प्रयास है जिनकेछ द्वारा कोरोना कल में विद्यालय के समय के बाद भी कार्य किया। प्राथमिक विद्यालय लखेसर सिकरारा, जौनपुर के शिक्षक शिवम सिंह के इस सुंदर प्रयास की सराहना किया। उन्होंने कहा कि फिल्म निर्माण असाधारण कार्य है। ईश्वर द्वारा प्रदत्त अद्भुत कला है जिससे बिना किसी खर्च के पर्दे पर उन मुद्दों को लाने का प्रयास है जिसे हम आँखों से नहीं देख पाते कि हमारे बच्चे किनपरिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। बेसिक शिक्षा विभाग जौनपुर के मुखिया जिनकी अगुआई में फिल्म निर्माण को शैक्षिक संवर्धन के सशक्त माध्यम के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है डॉक्टर गोरखनाथ पटेल ने कहा इसी टीम ने एक वर्ष पहले वर्तमान प्रयागराज के जिला बेसिक शिक्षाधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी जी की अगुआई में हमार बिटिया हमार मान लिंगभेद जैसे बहुत ही संवेदनशील विषय पर समाज सुधारक फिल्म बनाई थी। आज बेसिक शिक्षा विभाग जौनपुर यह कहने में गर्व महसूस कर रहा है कि हमारे शिक्षक बच्चों के सर्वांगीण विकास के प्रति प्रतिबद्ध हैं। शहीद दिवस पर प्राथमिक विद्यालय देवापट्टी के बच्चों ने कार्यक्रम प्रस्तुत किया तथा प्राथमिक विद्यालय सुल्तानपुर के छात्र बेलाल खाँ ने देश के नाम गायन प्रस्तुत कर मन मुग्ध कर दिया। कलाम साहब के नाम संदेश शिक्षक रमेश कुमार यादव पूर्व माध्यमिक विद्यालय भटौली ने प्रस्तुतकर देशभक्ति का जज्बा पैदा कर दिया। महिला शक्ति कविता का पाठ शिक्षिका उत्तमा चतुर्वेदी प्राथमिक विद्यालय बिसावां ने तथा शिक्षक व फिल्म बालसेना के पटकथा/संवाद लेखक प्रेम चन्द्र तिवारी ने फिल्म के उद्देश्य, आवश्यकता, सहयोग पर अपने अंतर्मन की अभिव्यक्ति से लोगों के बीच इसके औचित्य को बताया तथा सबके साथ का आह्वान किया। जनपद जौनपुर की एक अद्भुत उपलब्धि बोलती किताब का उल्लेख करते हुए तिवारी जी ने कहा कि यह अभी तक कि सबसे सुंदर पहल है जब बच्चे किसी पाठ का अध्ययन सुनकर कर सकेंगे। बेसिक शिक्षकों ने शिक्षण के साथ साथ काव्य रचनाएँ भी कर रखी हैं। परवाज आन लाइन काव्यमंच है जहाँ सैकड़ों शिक्षक अपना काव्यपाठ कर चुके हैं। फिल्म में मुख्य भूमिका शिवम सिंह, सौम्या सिंह, राकेश सिंह, उत्तमा चतुर्वेदी, प्रेम तिवारी, आशीष मौर्या, अरविंद गुप्ता, नूपुर श्रीवास्तव, मुकेश दुबे, अमर यादव ने निभाई है। बालकलाकार हैं किरण यादव, दर्शन, अथर्व, खुशी, लक्ष्मी, गौरी, अहम, आदित्य मिश्रा। सहायक भूमिका में हैं सीमा उपाध्याय, राजकुमार पांडेय, रमेश यादव, ओम प्रकाश यादव, श्रीकान्त विश्वकर्मा, राजेश मिश्र (अध्यक्ष), मदन मिश्र, विनोद सिंह, प्रवीण कुमार, विकास तिवारी (शेरू)। इस फिल्म में शिवम सिंह ने फिल्म के तकनीकी प्रयोग व भावनात्मक संबंधों पर भावपूर्ण अभिव्यक्ति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। फिल्म की संकल्पना से लेकर इसके साकार रूप लेने तक के सफर को व्याख्यायित कर उन्होंने टीम को धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके बाद बच्चों द्वारा जटायू का मंचन हुआ। छात्रों अभिभावकों को सम्मानित किया गया जिन्होंने इस फिल्म के निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाई। कोरोनाकाल में अपनी जान की परवाह किए बिना जिन शिक्षक साथियों ने अनवरत रोगियों की देखभाल की उन्हें भी सम्मानित किया गया। इस बेहद सफल कार्यक्रम का कुशल संचालन रमेश यादव सागर व नूपुर श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से किया। अंत में टीम द्वारा आये हुए लोगों के प्रति आभार ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम के प्रमुख किरदार रहे स्वामिनी सिंह, लालबहादुर यादव, राजेश उपाध्याय, वीरेंद्र कुमार सिंह।

लखनऊ–अयोध्या कैंट–जौनपुर रेलखंड पर 110 किमी की गति से गाड़ी संचालित कराकर किया स्पीड ट्रायल

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) संरक्षित व सुरक्षित रेल परिचालन संबंधी व्यवस्थाओं सहित अन्य कार्यों का जायजा लेने के लिए मंगलवार को मंडल रेल प्रबंधक सुरेश कुमार सपरा ने लखनऊ–जौनपुर–लखनऊ रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग करते हुए निरीक्षण किया।सूत्र के मुताबिक इस दौरान उन्होंने लखनऊ से अयोध्या कैंट एवं अयोध्या कैंट से जौनपुर रेलखंड पर 110 किमी. की अधिकतम गति से गाड़ी संचालित करवाकर स्पीड ट्रायल भी लिया।डीआरएम रेलवे ने अयोध्या क्षेत्र के गोसाईगंज, अलनाभारी, बिलहरघाट, दर्शननगर, अयोध्या एवं अयोध्या कैंट स्टेशनों पर पहुँचकर संरक्षा तथा रेल संचालन से जुड़े कार्यालयों एवं स्थलों का अवलोकन किया तथा आवश्यक अभिलेखों तथा दस्तावेजों को चेक किया।इस दौरान उन्होंने समपार फाटकों, रेल ट्रैकों इत्यादि का निरीक्षण करते हुए संरक्षा तथा यात्री सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों से संवाद स्थापित किया एवं उनको अनुशासित एवं नियमबद्ध कार्य करने हेतु प्रेरित किया।वही डीआरएम रेलवे ने अयोध्या कैंट स्टेशन पर संरक्षा संबंधी उपकरणों की उपलब्धता एवं रखरखाव, रेल ट्रैक की संरक्षा, पैनल रूम, स्टेशनों पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं रनिंग रूम, स्वच्छता व्यवस्था, लॉबी, पावर केबिन का निरीक्षण किया एवं स्टेशनों पर प्रगतिशील अन्य निर्माण कार्यों को भी परखा। समस्त कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्धारित समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने गोसाईगंज में रेलपथ की संरक्षा एवं अभिलेखों को परखा, अलनाभारी, बिलहरघाट में पैनल रूम एवं अभिलेख तथा निर्माण कार्य, दर्शननगर में समपार फाटक संख्या 107ए, अयोध्या में रेलपुल संख्या 297, अयोध्या कैंट स्टेशन पर चालक एवं गार्ड विश्रामालय, गुड्स शेड एवं यात्री सुविधाओं व अन्य कार्यों को परखा एवं समस्त कार्यों की समीक्षा की।इस दौरान उन्होंने रेल पथों की सघन निगरानी, रेलपथों का नियमित रख–रखाव एवं त्वरित सुधार कार्य, रेलपथों के निकट अतिक्रमण हटाने, नियमित गश्त, समपार फाटकों का उचित संचालन एवं रेलपथों पर अनावश्यक एवं अवांछित तत्वों के आवागमन एवं सिग्नल प्रणाली के उचित संचालन जैसे अनेक बिंदुओं पर सर्वश्रेष्ठ कार्य करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा.) सहित मंडल के विभिन्न विभागों के शाखाध्यक्ष व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कृष्ण जन्म की कथा सुन भाव विभोर हुए श्रद्धालु

अयोध्या।(अमित कुमार मणि त्रिपाठी बीकापुर संवाददाता)भगवान श्रीकृष्ण की जन्म कथा का प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे।कथा प्रवक्ता पूज्य बाल आलोकानन्द व्यास जी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपने भक्तों का उद्धार व पृथ्वी को दैत्य शक्तियों से मुक्त कराने के लिए अवतार लिया था।उन्होंने कहा कि जब–जब पृथ्वी पर धर्म की हानि होती है।तब तब भगवान धरती पर अवतरित होते हैं। ब्लाक मवई के ग्राम हुनहुना,बरतरा पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का प्रसंग व उनके जन्म लेने के गूढ़ रहस्यों को कथा व्यास ने बेहद संजीदगी के साथ सुनाया।कथा प्रसंग सुनाते हुए कथा व्यास ने बताया कि जब अत्याचारी कंस के पापों से धरती डोलने लगी।तो भगवान कृष्ण को अवतरित होना पड़ा।सात संतानों के बाद जब देवकी गर्भवती हुई तो उसे अपनी इस संतान की मृत्यु का भय सता रहा था।भगवान की लीला वे स्वयं ही समझ सकते हैं।भगवान कृष्ण के जन्म लेते ही जेल के सभी बंधन टूट गए और भगवान श्रीकृष्ण गोकुल पहुंच गए।कथा का संगीतमयी वर्णन सुन श्रद्धालुगण झूमने लगे।

गरीब के दर्द को अपना दर्द समझें कार्यकर्ता–रामचंद्र यादव

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता)वंचित और शोषित को न्याय दिलाकर उसका उत्थान करना और सामाजिक समरसता को बढ़ाना ही होली मिलन का असली उद्देश्य है।यह बाते रुदौली विधायक रामचंद्र यादव ने माजनपुर में होली मिलन समारोह कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कही।विधायक श्री यादव ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि पार्टी में रहकर जिन लोगो ने जयचंदो कि तरह पार्टी को हराने का कार्य किया है पार्टी उन्हें नहीं बख्शेगी।ठेकेदारों को जनता ने कमल का बटन दबाकर मुहतोड़ जबाब दिया है आने वाले समय में उन्हें पहचानने कि जरुरत है।विधायक ने आये हुए सभी कार्यकर्ताओं पर पुष्प वर्षा कर होली उत्सव मनाया।इस अवसर पर अमन कुमार वर्मा,प्रधान पप्पू यादव,विश्राम गुप्ता, प्रधान रामबरन चौहान,रामकिशोर शर्मा,सत्तन लाल गौतम,धर्मेंद्र वर्मा,विनोद बाबा,प्रधान संघ के पूर्व अध्यक्ष राम प्रेस यादव, अम्बिका प्रसाद रावत,अनिल रावत प्रधान खेदीपुर सहित तमाम लोग उपस्थित थे।

आरोप के मुताबिक मानक के विपरीत काम कर रहा ठेकेदार : जिम्मेदारों ने झाड़ा पल्ला

अयोध्या।(डा.अजय तिवारी जिला संवाददाता)आरोप के मुताबिक लोक निर्माण विभाग खंड द्वारा अयोध्या में 2 किलोमीटर विशेष मरम्मत कार्य के लिए लगभग 15,000,00 रुपए स्वीकृत होने के बाद मोहली से रौतावां संपर्क मार्ग पर मानक के विपरीत कार्य कराया जा रहा है।मिल्कीपुर तहसील अंतर्गत विकास खंड अमानीगंज के अंतर्गत रौतावां से मोहली संपर्क मार्ग लोक निर्माण विभाग खंड दो अयोध्या से विशेष मरम्मत कार्य के लिए स्वीकृत धन के बंदरबांट का खेल शुरू हो गया है।दो किलोमीटर पर जो काम चल रहा है, उस पर ठेकेदार भोला द्वारा पत्थर की जगह आधे पीली ईंट का प्रयोग किया जा रहा है।वही आधे पीली ईंट की गिट्टी डाल कर उसी पर रोलर चला दिया जा रहा है। सड़क मरम्मत का काम देख रहे विभागीय मेट से पूछने पर उन्होंने बताया जो काम हो रहा है, सही हो रहा है। यह लोक निर्माण विभाग का जीता जाता उदाहरण है। जहां पर ईंट की गिट्टियों का प्रयोग किया जा रहा है, पत्थर की जगह और सड़क को पेंटिंग काम करवाते हुए खानापूर्ति की जा रही है।इस क्षेत्र के मिश्रौली व धरौली गांव के सूरज सिंह, अभिषेक व मोहाली गांव के आदित्य सिंह, अमित कुमार सिंह का कहना है कि इतने दिन बाद इस मार्ग का मरम्मत कार्य शुरू भी हुआ तो वह मानक के विपरीत हो रहा है। इसी मार्ग से दर्जनों ग्राम पंचायत समेत अन्य गांव के लोगों इसी मार्ग से बाबा भीख दास मंदिर पर आते जाते हैं।रोड का मरम्मत कराने वाला ठेकेदार पत्थर की गिट्टी डलवाने के स्थान पर भट्ठे के ईंट के टुकड़े को डलवा कर अपनी मोटी रकम बचाने के चक्कर में लगा हुआ है। पीडब्ल्यूडी के जो मेट भी लगाए गए हैं । वह भी इन ठेकेदारों से मिले रहते हैं जिसके चलते ठेकेदार अपनी मनमानी तरीके से काम कर पैसे का बंदरबांट कर लेते हैं।इस संबंध में जेई विजय कुमार वर्मा से जब बात की गई तो उन्होंने कहा कि हम जाकर देख आए हैं।कई स्थानों पर काफी गहरा गड्ढा हो गया था वहां पर ही ईंट डाले जा रहे हैं।

इंसाफ व आरोपी को सख्त सजा की मांग करती दिखी दुष्कर्म पीड़ित बच्ची की माँ

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) राम नगरी अयोध्या में येलो जोन जैसी अति सुरक्षित जगह पर होली के एक दिन पहले हृदयविदारक करने वाली मासूम के साथ जहां हैवानियत हुई वह स्थान धर्मनगरी अयोध्या के मुख्य भाग का एक इलाका रहा है।उस दिन से अब इस जगह को लोग असुरक्षित मान रहे है।इस गली में दिन भर सड़कों पर बच्चे खेलते नजर आते थे।वहाँ के लोगों के मुताबिक गर्मी हो या सर्दी, यहां तिराहे पर युवा व बुजुर्गों की टोलियां ताश खेलती थी।आज वहां सन्नाटा पसरा हुआ है।करीब सौ मीटर की इस गली में सिर्फ पुलिसकर्मी ही नजर आते हैं। लोगों में वारदात को लेकर आक्रोश है।पुलिस के सायरन की आवाज सुन लोग धूप में ही छतों पर खड़े होकर देखते हैं कि कौन आया है।बुधवार को जब डीकेयूएनबीसी चौनल के ब्यूरो चीफ सुबह जब वहां पहुंचे तो वहाँ सड़क पर कर्फ्यू जैसा माहौल मिला। पीड़िता के घर के सामने व घटनास्थल के पास दर्जन भर पुलिसकर्मी तैनात थे।पीड़िता के घर के पुरुष सदस्य मासूम के साथ लखनऊ गए हुए हैं।करीब छह से सात माह के दुधमुंहे बच्चे को गोदी में लेकर निकलकर रोने लगी,उन्होंने कहा कि हमें इंसाफ चाहिए, आरोपी को फांसी की सजा मिले।उनका गुस्सा इतना था कि उन्होंने बिलखते हुए कहा कि अगर पुलिस न्याय नहीं दिला सकती है तो आरोपी को उनके हवाले किया जाए, वह अपनी बच्ची के साथ किए कृत्य का बदला उनसे लेंगी।उसने पुलिस पर आरोप लगाया कि घटना में टेंट हाउस के मालिक व उसके पिता का भी हाथ है।पुलिस ने पहले उन्हें गिरफ्तार किया था, लेकिन बाद में छोड़ दिया।पीड़िता की मां का क्रंदन सुनकर आसपास की घरों की कुछ अन्य महिलाएं भी निकल आईं।वहीं एक महिला ने कहा कि इस गली में दिन भर बच्चे खलते थे।आज डर के मारे घर से नहीं निकल रहे। एक अन्य महिला ने कहा कि अब किसके भरोसे पर अपने घरों की बच्चियों को स्कूल भेजे, यहां तो हर जगह हैवान भरे हैं।इस वारदात के बाद से पीड़िता के घर व घटनास्थल पर पुलिस का पहरा लगा दिया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अयोध्या कोतवाल व अन्य दारोगा सुबह शाम वहां आते हैं।वही पीड़िता परिवार के एक बुजुर्ग ने कहा पुलिस उनका साथ दे रही लेकिन टेंट मालिक व उसके पिता की गिरफ्तारी की बात पर कहती है कि सबूत ढूंढ रहे हैं। सबूत मिलने पर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।पीड़िता के पड़ोस में रहने वाले एक अन्य बुजुर्ग ने कहा, पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़कर सत्ताधारी दल के नेताओं के दबाव में छोड़ दिया। लखनऊ में मासूम का इलाज करा रहे पिता का भी आरोप है कि पुलिस इन टेंट हाउस के मालिक और उसके पिता को गिरफ्तार नहीं कर रही है।पीड़िता के परिवारीजनों ने आरोप के बाद भी इन दो आरोपियों को गिरफ्तार न करना पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठा रही है। छह साल की मासूम के साथ इस हैवानियत के खिलाफ अयोध्या के साधु संत समेत आम जनमानस व विभिन्न राजनीतिक व सामाजिक दलों के नेताओं में रोष है।होली के बाद से लगातार धरना प्रदर्शन, पैदल मार्च व रोड जाम कर लोग अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं। मंगलवार को अयोध्या के मंदिर में उपस्थित संत महंत, समाजसेवियों व महिलाओं ने हाथों में बैनर लेकर विरोध जताया।इन बैनरों पर आरोपी को फांसी की सजा देने, अयोध्या की निर्भया को न्याय देने की मांग की गई। इन लोगों प्रदेश के मुख्यमंत्री से मांग की कि आरोपियों को बचाने में मदद करने वाले लोगों के नाम सामने आने चाहिए, साथ इनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाए।इस प्रदर्शन में शामिल समाजसेवी विकास श्रीवास्तव का कहना था कि इस घटना ने अयोध्या को शर्मसार किया है। आरोपियों को बचाने की साजिश कौन रच रहा है, उनके नाम सामने आने चाहिए। हनुमानकुंड के पार्षद अभय श्रीवास्तव ने शासन प्रशासन से मांग की है कि अन्य आरोपियों की भी गिरफ्तारी हो और फास्ट ट्रैक कोर्ट में मामला ले जाकर इन्हें जल्द से जल्द कड़ी सजा सुनाई जाए। संत अवधराम दास, विशुद्धानंद, सत्यनारायन दास, सूरज शरण, विद्याभूषण व मनीष दास ने कहा कि राम की नगरी में ऐसा अपराध, यह क्षम्य योग्य नहीं है। योगी बाबा को इस पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। यदि आरोपियों को बचाने में किसी पुलिसकर्मी का नाम आता है तो उसे बर्खास्त कर जेल में डाल देना चाहिए। रजनीश, मनीष मिश्र बाबा, अमन शुक्ला का कहना है कि न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा। पीड़िता के भाई का कहना है कि वारदात में दो लोग शामिल थे। यदि टेंट हाउस के मालिक और उसके पिता को गिरफ्तार किया जाए तो वारदात में शामिल दूसरे आरोपी तक भी पुलिस पहुंच सकती है। कहा कि योगी सरकार से हमारी मांग है कि लड़की के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए सरकार कुछ करे। उसकी पढ़ाई–लिखाई, इलाज आदि की व्यवस्था सरकार सुनिश्चित करे।उन्होंने कहा कि वे स्थानीय जनप्रतिनिधि से भी मिले थे उन्होंने कहा था कि आरोपियों के घर बुलडोजर चलेगा, आपको न्याय मिलेगा। लेकिन भाजपा महानगर अध्यक्ष को छोड़कर आज तक भाजपा का कोई बड़ा नेता या जनप्रतिनिधि हमारी सुध लेने नहीं आया।अखिल भारतीय चाणक्य परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक पंडित कृपानिधान तिवारी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल अयोध्या में दुष्कर्म पीड़िता मासूम के घर जाकर उसके परिवारीजनों से मिलकर हर तरह की मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने विधिक रुप से सहयोग करने के लिए परिषद के पैनल के अधिवक्ता वाईवी मित्र, राजदेव पांडेय से पीड़िता को न्याय दिलाने में सहयोग करने का आश्वासन दिया।संरक्षक ने बताया कि परिषद का एक प्रतिनिधिमंडल पीड़िता को न्याय दिलाने के संबंध में जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मिलेगा। प्रतिनिधि मंडल में डॉ. आरडी पांडेय, डॉ. रामतेज पांडेय, चंद्रशेखर पांडेय, दयाशंकर मिश्र आदि शामिल रहे। भारत की जनवादी नौजवान सभा के प्रदेश महासचिव सत्यमान सिंह जनवादी ने बताया कि बुधवार को सुबह संगठन का 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मिलकर मासूम पीड़िता को न्याय व दोषियों को कड़ी सजा दिलाने की मांग करेगा। दुष्कर्म की शिकार हुई छह साल की मासूम की पीड़ा से सभी का गुस्सा उबाल पर है। लखनऊ के केजीएमयू में इलाज करा रही मासूम की इस हालत के जिम्मेदार लोगों को सख्त सजा दिलाने के लिए जन आक्रोश अब फूटने लगा है।कुल मिलाकर सभी की जुबान पर बस यही बात है कि इस जघन्य अपराध को अंजाम देने वालों के लिए फांसी से कम कोई भी सजा स्वीकार नहीं होगी। इस मामले में क्षेत्रीय पुलिस की भूमिका पर भी लोग सवाल खड़े कर रहे हैं। घटना से जुड़े अन्य आरोपियों को बचाने की कोशिश में जुटे पुलिस कर्मियों को भी चिह्नित कर उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की मांग क्षेत्र में जोर पकड़ने लगी है।सभी का कहना है कि आखिर वह कौन लोग है जिनके दबाव में पुलिस असहनीय पीड़ा झेल रही मासूम की दर्द भरी कराह को नजरअंदाज कर आरोपियों को बचाने की कोशिश में जुटी है। अयोध्या के एक इलाके में छह साल की मासूम के साथ कुछ दरिंदों ने हैवानियत की थी। गंभीर हालत में मासूम का इलाज चल रहा है। इसे लेकर सबसे ज्यादा आक्रोश क्षेत्र की महिलाओं व बिटियों में है। अयोध्या निवासी गायत्री देवी, प्रीति देवी व चांदनी गुस्से में बोली ऐसा तो राक्षस भी नहीं कर सकता। ऐसे लोगों को समाज में जिंदा रहने का कोई हक नहीं है। उनका गुस्सा पुलिस पर भी फूटा, कहा ऐसे आरोपी को पकड़ने के समय ही एनकाउंटर कर देना चाहिए। वहीं, लीलावती, संध्या व आराध्या ने बताया कि मासूम के साथ ऐसी विभीत्सा की खबर पढ़कर आत्मा सुन्न हो गई। उनका कहना है कि इसमें उनका दोष सबसे ज्यादा है जो समाज के ऊपर बदनुमा दाग लगाने वाले आरोपी को बचाने का प्रयास कर रहे हैं।उनका कहना है कि इस घटना में शामिल हर आरोपी को फांसी से कम की सजा उन्हें स्वीकार नहीं है। हाईस्कूल की छात्रा सुगंधा, कक्षा–9 की छात्रा महक का कहना है कि महिलाओं व बच्चियों के साथ अमानवीय जुल्म करने वाले व उनका सहयोग करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

रेल मंत्रालय सलाहकार समिति के सदस्य ने किया कई स्टेशनों का निरीक्षण

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता)रेल सलाहकार समिति के सदस्य अनूप चौधरी ने आज दोपहर बड़ागांव रेलवे स्टेशन का औचक निरीक्षण करते हुए रेलवे विद्युतीकरण कार्य का निरीक्षण करते हुए निर्माण कार्य में पीली ईंट का प्रयोग करते देख ठेकेदार के आदमियों को फटकार लगाते हुए इसे तुरन्त बदलने का निर्देश दिया । अनूप चौधरी ने मौके से ही दूरभाष के जरिये डीआरएम को निर्देश दिया कि बड़ागांव , देवराकोट , रुदौली आदि रेलवे स्टेशन पर शुद्ध पेयजल यात्रियों के बैठने के लिए छायादार टीन शेड व बैंचें तत्काल उपलब्ध करवाई जाय । मौके पर मौजूद स्टेशन अधीक्षक राममूर्ति से अनूप चौधरी ने कर्मचारियों व यात्रियों को होने वाली परेशानियों के बारे में भी जानकारी दी । मौके पर मौजूद भाजपा नेता कप्तान तिवारी व राजेश गोस्वामी ने रेल सलाहकार समिति के सदस्य से बड़ागांव रेलवे स्टेशन पर इंटरसिटी एक्सप्रेस व दून एक्सप्रेस के ठहराव की मांग की । जिस पर चौधरी ने बताया कि इस बारे में जल्द ही रेल मंत्री को पत्र लिखकर उक्त ट्रेनों के ठहराव की कोशिश की जाएगी ।इस मौके पर उमाशंकर गोस्वामी , धर्मराज गोस्वामी , सूरज गोस्वामी ,रमाकांत तिवारी , चंद्रभान वर्मा , रामकैलाश वर्मा , पवन गोस्वामी सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

भाजपा एमएलसी प्रत्याशी डॉ. हरिओम पाण्डेय ने किया नामांकन

अयोध्या।(डा.आलोक श्रीवास्तव अयोध्या संवाददाता) भाजपा एमएलसी प्रत्याशी डा हरिओम पाण्डेय ने कचेहरी पहुँचकर अपना नामांकन दाखिल किया। इससे पहले सिविल लाईन स्थित भाजपा कार्यालय में सभा का आयोजन किया गया। सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि राष्ट्रहित सर्वोपरि के विचार को आत्मसात करते हुए भाजपा जनता के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज कराती है। पार्टी को विचार को व्यापक स्तर पर जनसमर्थन मिला है।विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक विजय इसका परिचायक है। विधानपरिषद चुनाव में भाजपा प्रदेश की सभी सीटों पर जीत दर्ज करेगी। चुनाव को लेकर पार्टी के जनप्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं में उत्साह है। एमएलसी प्रत्याशी व पूर्व सांसद डा हरिओम पाण्डेय ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार की सर्वांगीण विकास की अवधारणा में अपने पूरे सामर्थ्य से योगदान देना प्राथमिकता होगी। अंतिम व्यक्ति के उत्थान की परिकल्पना को साकार किया गया है। शत प्रतिशत पात्रों को योजनाओं का लाभ मिला है। समाज के हर वर्ग का समर्थन आज भाजपा को मिल रहा है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष अम्बेडकरनगर साधू वर्मा, महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, विधायकों में वेद प्रकाश गुप्ता, रामचन्दर यादव, अमित सिंह चौहान, महानगर जिलाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, अम्बेडकर नगर जिलाध्यक्ष मिथिलेश त्रिपाठी, एमएलसी चुनाव प्रभारी व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजीव मिश्रा, जिला प्रभारी यमुना चतुर्वेदी, पूर्व मंत्री धर्मराज निषाद, पूर्व विधायक अनीता कमल, संजू देवी, सुभाष राय, रामू प्रियदर्शी, मथुरा तिवारी, त्रिवेणीराम, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अम्बेडकरनगर सुधीर सिंह मिंटू, राम प्रकाश यादव, रमाशंकर सिंह, अवधेश पाण्डेय बादल, ओम प्रकाश सिंह, डा बांके बिहारी मणि त्रिपाठी, ब्लाक प्रमुखों में राजीव तिवारी, कप्तान सिंह, दिनेश वर्मा, अभिषेक सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अलोक सिंह रोहित, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि शिवेन्द्र सिंह, राघवेन्द्र पाण्डेय, अशोका द्विवेदी, कृष्ण कुमार पाण्डेय खुन्नू, इं रणवीर सिंह, इन्द्रभान सिंह, ब्रिजेन्द्र सिंह, राधेश्याम त्यागी, दोनो जनपदों के ब्लाक प्रमुख, जिला पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान व बीडीसी भारी संख्या में उपस्थित रहें।

जानलेवा हमले में पुलिस ने तीन आरोपितों को किया गिरफ्तार

अयोध्या।(डा.अजय तिवारी जिला संवाददाता)जिले के गोसाईगंज कोतवाली पुलिस ने बीते रविवार को इलाके के बेरा गांव में चोरी का आरोपी युवक अपने एक दर्जन से ज्यादा अराजकतत्व साथियों सहित जानलेवा हमला करने के मामले पुलिस ने तीन नामजद आरोपितों को गिरफ्तार किया है।एसएचओ केके मिश्र के मुताबिक आरोपितों को इलाके के चौडारी पुलिया बन्दनपुर के पास से मुखबिर की सूचना पर पकड़ा गया। आरोपितों की पहचान रजनीश पुत्र चन्द्रप्रकाश तिवारी,दिनेश कुमार पुत्र रामजगत निवासी रामपुर गौहनिया व राजितराम यादव पुत्र श्रीराम निवासी गददौपुर कोतवाली गोसाईगंज अयोध्या के रूप में हुई।मालूम हो कि बीते रविवार को बेरा गांव में रामधनी यादव के घर पर पड़ोसी चोरी का आरोपी युवक एक दर्जन से ज्यादा अराजकतत्वों के साथ लोहे की राड व धारदार हथियार से लैश होकर घर में घुसकर गृहस्वामी रामधनी यादव को मारने लगे।बीच बचाव को दौड़े उनकी अनुज बधू मिथिलेश व भतीजी गरिमा को भी बुरी तरह से मारपीट कर लहूलुहान कर दिया और घर में तोड़फोड़ करते हुए फरार हो गए। परिजनों ने घायलों को इलाज के लिए सीएचसी गोसाईगंज ले गए,जंहा रामधनी यादव व उनकी भतीजी की हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने जिलाचिकित्सालय रेफर कर दिया। मामले में रामधनी यादव के पुत्र जितेंद्रकुमार ने कोतवाली पुलिस को लिखित तहरीर देते हुए आरोप लगाया था कि बीते17मॉर्च को आरोपी सुनील यादव के खिलाफ उसकी चाची मिथलेश यादव पत्नी राजमणि यादव ने गोसाईगंज कोतवाली में मु0अ0स068/22 धारा 380, 504, 506 आईपीसी ऐक्ट के तहत केस दर्ज कराया था। जिससे आरोपित सुनील यादव खुन्नस खाकर इस वारदात को अंजाम दिया। मामले में कोतवाली पुलिस ने सुनील यादव पुत्र रामभजन निवासी बेरा,बिनीत यादव पुत्र, भोले यादव,प्रिंस यादव,दिनेश यादव पुत्र अज्ञात निवासी हीड़ी पकड़िया,थाना महरूवा अम्बेडकरनगर,अखिलेश वर्मा पुत्र अज्ञात निवासी बीरशाहपुर गोसाईगंज अयोध्या को नामजद करते हुए 9 अज्ञात के खिलाफ मु0अ0स073/22 धारा147,148, 323, 324, 504, 506, 452,308 आईपीसी ऐक्ट के तहत केस दर्जकर विवेचना एसआई वीरेंद्रपाल को सौंपते हुए आरोपितों की तलाश में जुट गई थी।

सम्पादक मंडल

पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"

पता–ई 3464,राजाजी पुरम(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0

लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मो0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से मैं0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक

श्रीमती हेमा त्रिपाठी

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।